दी नेक्स्ट पोस्ट

साप्ताहिक

7 3 'कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, नहीं तो... 5 तीन लाख के लिए बहन का कत्ल 8 'हर गुजरते दिन के साथ...

UPHIN/2023/90814 | वर्ष: 03, अंक: 19 | पृष्ठ संख्या: 8 | मूल्य: 1.00 रू. | सोमवार 03 नवम्बर ,2025

जेमी के मैजिक से शानदार शेफाली तक: जीत की ये दीप्ति'मान' रोशनी दशकों तक हरमन-हर स्मृति में रहेगी

भारत को पहली बार विश्वकप का ताज

स्पोर्ट्स डेस्क। भारत की बेटियां महिला वनडे विश्वकप की चैंपियन बन गई हैं। इस सफर की जब भी बात होगी तो तीन मैच हमेशा याद किए जाएंगे। पहला वो मुकाबला जो हारते तो टूर्नामेंट में बाहर हो जाते। दूसरा सेमीफाइनल जिसमें हमने सात बार की विश्व विजेता ऑस्ट्रेलिया को हराया और तीसरा फाइनल मुकाबला। ये जीत, ये सफर और इस सफर की कहानियां आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देंगी। इस महिला विश्वकप की चैम्पियन देश की बेटियां बनी हैं। पर ये सफर किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है। जब हमने इस विश्व कप की शुरुआत की तो शुरुआती जीत से लगा सफर बहुत आसान होने वाला है। फिर मुश्किल मैचों में हम जीतते-जीतते हारे। स्थिति यहां तक पहुंची कि न्यूजीलैंड से हार का मतलब होता हम सेमीफाइनल की दौड़ से भी बाहर हो जाते। करो या मरो के इस मैच में टीम की उपकप्तान स्मृति मंधाना और ओपनर प्रतिका रावल ने शतक लगाकर टीम को जीत दिलाई। सिर्फ जीत नहीं हमें सेमीफाइनल में पहुंचाया। पहले बात उस करो या मरो मुकाबले की...

बीसीसीआई ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम को पहला वनडे वर्ल्ड कप जीतने पर 51 करोड़ रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर इतिहास रचा। यह राशि आ सीसी द्वारा दी जाने वाली प्राइज मनी से भी अधिक है, और इसे खिलाड़ियों, चयनकर्ताओं व सपोर्ट स्टाफ में बांटा जाएगा।

शेफाली-दीप्ति का अद्भुत प्रदर्शन

भारत के लिए आईसीसी महिला वनडे विश्व कप 2025 के फाइनल मैच में शेफाली वर्मा ने बल्ले और गेंद से कमाल दिखाया। चोटिल प्रतिका रावल की जगह टीम में शामिल की गईं शेफाली ने 87 रनों की पारी खेलने के साथ ही दो विकेट भी लिए। वहीं दीप्ति शर्मा (28) ने भी अर्धशतक लगाने के अलावा पांच विकेट चटकाए। मैच फाइनल में पहले बैटिंग करते हुए भारतीय महिला टीम ने 50 ओवर में 7 विकेट खोकर 298 रन बनाए थे। इसके जवाब में साउथ अफ्रीका की टीम 246 रन पर ढेर हो गई। इस तरह भारतीय महिला टीम ने पहली बार वनडे विश्व कप का खिताब अपने नाम किया।

जब चीजें हमारे लिए अच्छी नहीं चल रही थीं तो एक भी खिलाड़ी ने यह नहीं कहा कि अब आगे क्या होगा, विशेषकर इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद। उस एक रात ने हमारे लिए चीजें बदल कर रख दीं।

हरमनप्रीत कौर

भारतीय महिला टीम दक्षिण अफ्रीका को फाइनल में हराकर अपना पहला विश्व कप खिताब जीतने में सफल रही है। इस जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर ने बताया है कि किस तरह इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार से टीम के लिए चीजें रातों-रात बदल गईं और उन्होंने वापसी करते हुए खिताब जीता। भारत एक समय सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहा था और लगातार तीन हार के बाद टीम ने गियर बदला और जीत की पटरी पर लौटते हुए इतिहास रच दिया।

सम्पादकीय

देश के लिए शर्मिन्दगी है ट्रंप का बयान

एशिया पैसिफिक इकोनॉमिक को–ऑपरेशन सम्मेलन में हिस्सा लेने के लिए दक्षिण कोरिया पहुंचे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध रुकवाने का दावा किया है। ट्रंप ने नरेन्द्र मोदी को महान नेता, सुंदर व्यक्तित्व, लड़ाका बताते हुए तारीफ तो की, लेकिन इस तारीफ के साथ यह कहते हुए शर्मिंदा भी कर दिया कि उन्होंने टैरिफ़ लगाने की चेतावनी देकर भारत और पाक को युद्ध रोकने के मजबूर कर दिया था। ट्रंप ने केवल मोदी की तारीफ नहीं की, बल्कि उन्होंने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ की भी तारीफ़ की. और पाकिस्तान के फ़ील्ड मार्शल आसिम मुनीर की तारीफ़ करते हुए कहा कि वो जबरदस्त फ़ाइटर हैं। ट्रंप के बयान का यह वीडियो पूरी दुनिया में प्रसारित हो चुका है। अगर ट्रंप पहली बार ऐसा कुछ कहते और मोदी सरकार किंकर्तव्यविमूढ़ की मुद्रा में होती, तब माना जा सकता था कि ऐसे किसी अप्रत्याशित बयान का जवाब देने के लिए सरकार तैयार नहीं थी। लेकिन अमेरिका, जापान, सऊदी अरब, कतर, इजरायल, द.कोरिया हर जगह ट्रंप यही बात कहे जा रहे हैं कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान को व्यापार रोकने की धमकी दी। दोनों देश परमाणु संपन्न हैं और युद्ध रुकना जरूरी था। इसलिए ट्रंप ने कहा कि आप लड़ाई रोको वर्ना हम व्यापार रोकेंगे और उसके बाद नरेन्द्र मोदी और शाहबाज शरीफ दोनों युद्ध विराम के लिए राजी हो गए। पाकिस्तान बेशक खुशी से इस तथ्य को स्वीकार करे कि उसने ट्रंप के सामने घुटने टेके हैं, लेकिन क्या भारत भी अब अपमान को सहज भाव से लेने लगा है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने तो बाकायदा नरेन्द्र मोदी को मौका दिया था कि वे संसद के भीतर कह दें कि डोनाल्ड ट्रंप झूठ कह रहे हैं और युद्धविराम उनके कहने पर नहीं हुआ था। अपनी ही देश की संसद से ज्यादा सुरक्षित स्थान नरेन्द्र मोदी के लिए नहीं हो सकता। अगर ट्रंप के डर का मुकाबला साथी सांसदों के साथ वे संसद के भीतर से करने की कोशिश करते तो शायद ट्रंप दुनिया भर में भारत का अपमान करते नहीं फिरते। लेकिन न जाने किन वजहों से नरेन्द्र मोदी आज तक ट्रंप को जवाब नहीं दे पाए हैं। क्या मोदी इस बात से खुश हैं कि ट्रंप ने उन्हें महान बताया, अच्छा मित्र और सुंदर व्यक्तित्व का बताया। लेकिन यही सारी बातें तो ट्रंप ने शाहबाज शरीफ के लिए भी कही हैं। बल्कि ट्रंप तो पाक फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भी खूब तारीफ कर रहे हैं। जबकि यही जनरल मुनीर आए दिन भारत के लिए आग उगलते रहते हैं। अब तो बांग्लादेश के साथ मिलकर पाकिस्तान भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है। हाल ही में बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस से आसिम मुनीर के डिप्टी शमशाद मिर्जा ने मुलाकात की। इस दौरान मो.युनूस ने एक किताब शमशाद मिर्जा को भेंट की। जिसमें ग्रेटर बांग्लादेश का मानचित्र है। लेकिन असल में इस मानचित्र में असम, त्रिपुरा और पश्चिम बंगाल के कुछ भाग को बांग्लादेश का हिस्सा बताया गया है। भारत के राज्यों को अपना हिस्सा बताना मासूम गलती नहीं हो सकती है। इसमें बांग्लादेश ने भारत के साथ झगड़ा बढ़ाने का एक और विषय तैयार कर लिया है, ध्यान देने वाली बात यह है कि इसमें पाकिस्तान बांग्लादेश के साथ खड़ा हुआ है। समाज पर सवाल इस पूरी घटना के मद्देनजर जरा मोदी–शाह के बयानों को याद करें, जो अपनी हर चुनावी सभा में बांग्लादेशी घुसपैठियों का मुद्दा उछालते हैं। अभी निर्वाचन आयोग ने देशव्यापी एसआईआर कराने का जो ऐलान किया है, उसका समर्थन करते हुए भाजपा के सारे नेता सबसे पहले बांग्लादेशी घुसपैठियों को ही बाहर करने की बात करते हैं। जनता इन बयानों में बहक कर यह मानने लगती है कि देश में वाकई दीमक की तरह घुसपैठियों की आमद हो चुकी है, जो उनके हक को चट कर रही है। लेकिन जिस जमीन पर वाकई जनता का हक है, और उसे पड़ोसी देश अपना बता रहा है, उस पर सरकार का क्या कहना है, यह भी अब जनता को पूछ लेना चाहिए। बांग्लादेश में शेख हसीना की सरकार के जाते ही पाकिस्तान और बांग्लादेश की नजदीकियां बढ़ रही हैं। यह भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। अब तक पाकिस्तान से ही भारत को खतरा रहता था, लेकिन इसमें बांग्लादेश का नाम और जुड़ जाए तो यह खतरे के बढ़ने का संकेत है। इसका पूरा फायदा चीन और अमेरिका को मिलेगा। वैसे भी ट्रंप अब चीन की तरफ दोस्ती का हाथ बढ़ा चुके हैं, यह घटना वैश्विक कूटनीति में बड़े यू–टर्न के रूप में देखी जा रही है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 27 अक्टूबर को यह घोषणा की है कि अमेरिका व चीन के बीच व्यापार समझौता होने जा रहा है। जो ट्रंप चीन के साथ ट्रेड और टैरिफ युद्ध छेड़ने की धमकी देकर पूरी दुनिया के व्यापार को प्रभावित करना चाहते थे, वो रेयर अर्थ मिनरल का दबाव पड़ते ही दोस्ती की जुबान बोलने लगे हैं। दुनिया में सबसे बड़ा इस्तेमाल करने के लिए तैयार रेअर अर्थ मिनरल्स यानी दुर्लभ खनिज का स्रोत चीन के अधीन है। और उसने इसे न केवल खनिज संसाधन, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन के हथियार के रूप में तब्दील कर दिया। इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर स्मार्ट फोन तक का कारोबार रेअर अर्थ मिनरल्स के बिना नहीं हो सकता है और रक्षा उपकरणों के निर्माण में भी रेअर अर्थ मिनरल अब जरूरी हो गया है। दुरुस्त आए चीन ने रणनीतिक तौर पर रेअर अर्थ मिनरल्स के उत्पादन–निर्माण और परिशोधन में निवेश किया। चीन केवल अयस्क नहीं निकालता, बल्कि उसकी माइनिंग–रिफाइनिंग व मैग्नेट बनाने तक के काम का बड़ा हिस्सा भी चीन के भीतर ही होता है। अर्थात उसके संसाधन पर उसका आधिपत्य है, जिसका इस्तेमाल चीन अपना आत्मसम्मान बचाने के लिए भी कर रहा है। भारत में भी ऐसे कई संसाधन और खनिज संपदा हैं, जिनके बूते हम वाकई दुनिया को झुका सकते हैं। लेकिन सरकार इन्हें भी कुछ उद्योगपतियों को सौंप कर अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ रही है। जिस तरह चीन ने अमेरिका को झुकाया, हम भी झुका सकते थे।

स्त्री सुरक्षा और सम्मान

एक दिन में कोई भी बदलाव नहीं होता है, लेकिन उसकी शुरुआत कभी न कभी तो होती ही है। पहले महिलाओं के पढ़ने पर बंदिशें थीं। विधवा विवाह नहीं होते थे। सती प्रथा थी। बाल विवाह होते थे। ये सारी बुराइयां धीरे–धीरे ही सही लेकिन काफी हद तक दूर हुई हैं। इसी तरह छेड़खानी, यौन हिंसा आदि के खिलाफ भी समाज में बदलाव लाने और उसे सुधारने की जरूरत है। विधर्मियों से विवाह करने वाली लड़कियों की टांगें तोड़ देनी चाहिए, ऐसा हिंसक सुझाव देने वाली प्रज्ञा ठाकुर लड़कियों से छेड़खानी करने वाले पुरुषों को किस तरह दंडित होते देखना चाहती हैं, यह जानने की उत्सुकता है। इस सवाल की भी जिज्ञासा है कि क्या वे भी कैलाश विजयवर्गीय की तरह छेड़खानी का शिकार लड़कियों में ही नुक्स देखती हैं। कैलाश विजयवर्गीय भाजपा सरकार में मंत्री तो हैं ही, पुरुष सत्तात्मक समाज के नुमाइंदे भी हैं, जिसमें समाज में पुरुष का दर्जा स्त्री से ऊंचा माना जाता है। क्या प्रज्ञा ठाकुर खुद को पुरुषों से दोयम मानती हैं। अगर ऐसा है तो फिर ऐसे नेताओं का अंध समर्थन कर उन्हें सत्ता सौंपने वाले समाज को अपनी चिंता करना शुरु कर देना चाहिए। क्योंकि किसी न किसी तरह लड़की को ही गुनहगार समझने वाली निकृष्ट सोच उन तमाम असामाजिक तत्वों को हौसला देती है, जिनके कारण अंधेरा होने से पहले लड़कियों को घर आने की हिदायत घुट्टी की तरह पिलाई जाती है। जिनके कारण समाज में लड़कियों के लिए असुरक्षित माहौल बना हुआ है। उम्मीदवारों की सूची में एक भी मुसलमान नहीं पाठक 23 अक्टूबर की उस शर्मनाक घटना से परिचित होंगे, जब दिन के 11 बजे इंदौर में आस्ट्रेलिया की महिला क्रिकेट टीम की दो खिलाड़ियों के साथ छेड़खानी हुई। एक बाइक सवार ने दोनों खिलाड़ियों का पीछा किया, उनके साथ अभद्रता की, जिससे डर कर उन्होंने अपनी टीम को तत्काल मदद का संदेश दिया। इस बीच एक अन्य व्यक्ति ने दोनों खिलाड़ियों की मदद की और बाइक का नंबर नोट कर पुलिस को दिया, जिससे आरोपी को पकड़ने में मदद मिली। आस्ट्रेलियाई टीम के सुरक्षा प्रबंधक डैनी सिमंस ने बताया कि उन्हें पहले 'लाइव लोकेशन' अलर्ट मिला जो टीम के लिए इमरजेंसी संकेत होता है। इसके तुरंत बाद एक खिलाड़ी का व्हाट्सएप संदेश आया, कि मैं अपनी लाइव लोकेशन भेज रही हूं। एक आदमी हमारा पीछा कर रहा है और हमें पकड़ने की कोशिश कर रहा है।'आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है, पता चला है कि उसका नाम पहले से पुलिस डायरी में दर्ज है। बहरहाल, यह प्रसंग यहीं खत्म नहीं होता है। इस बारे में सोशल मीडिया पर भी काफी बातें हुईं, आस्ट्रेलियन वीमेन्स टीम ने भी अपने एकाउंट से संदेश प्रसारित किए, लेकिन उसके जवाब में उन्हें ऐसी अभद्र टिप्पणियां सुनने मिलीं कि उन्होंने इस घटना से जुड़ी सारी पोस्ट्स हटा ली हैं। ऑस्ट्रेलियन वुमन क्रिकेट के एक्स अकाउंट से लिखा गया कि उस भयानक घटना के बारे में सभी ट्वीट हटा दिए हैं। उनके साथ जो हुआ उसके बारे में हमारी भावनाएं नहीं बदली हैं, लेकिन हम अपने प्लेटफॉर्म को गाली–गलौज, टिप्पणियों का जरिया नहीं बनने दे सकते। इस संदेश के बाद न केवल इंदौर और मध्यप्रदेश बल्कि पूरे देश को शर्मिंदगी महसूस करनी चाहिए कि हमारी कैसी छवि दुनिया में बन चुकी है। आस्ट्रेलियाई महिला खिलाड़ियों के साथ संभवतः उनके गोरे रंग को देखकर यह अभद्रता हुई है। याद पड़ता है कि मुंबई में इसी तरह द.कोरिया की एक महिला यूट्यूबर के साथ दो लोगों ने छेड़खानी की थी, तब भी किसी स्थानीय व्यक्ति ने ही उसे बचाया था। दो साल पहले प्रधानमंत्री मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में एक विदेशी महिला के साथ होली पर अभद्रता की गई थी। झारखंड में साइकिल यात्रा पर निकले विदेशी जोड़े में महिला को सामूहिक बलात्कार का शिकार बनाया गया था। देश के वे तमाम पर्यटन स्थल, जहां विदेशी सैलानी बहुतायत में आते हैं।

हिमाचली बंदे में है दम

मानव विकास के हर आयाम पर हिमाचल ने तरक्की के तमाम क्षेत्र चुन लिए और यही वजह है कि राष्ट्रीय सूचकांक की सतह से कहीं ऊपर 'हिमाचली बंदे में दम है'। भौगोलिक दुरुहता को पाटते हुए हिमाचल ने अपने नागरिकों को राष्ट्रीय पैमानों में अव्वल किया, तो यह मंजर कई सरकारों के सतत प्रयास की निशानी भी है। प्रदेश साक्षरता दर में 99.2 प्रतिशत के शिखर पर विराजमान है, तो यह स्थिति लंबे संघर्ष और सीधे मुकाम की है। गरीबी दर का घटना पहाड़ के जीवन को नई महत्त्वाकांक्षा में गूंथना है और इसीलिए अब सोचा यह जा रहा है कि घोषित रूप से हिमाचल को किसी भी प्रकार की गरीबी से सौ फीसदी मुक्त कर दिया जाए। यह इसलिए भी कि प्रति व्यक्ति आय 9.6 प्रति दर से वृद्धि करके राष्ट्रीय औसत से कहीं ऊपर 257212 रुपए तक पहुंच गई है। नवजात मृत्यु दर गिरी है, तो सामाजिक सुरक्षा के पैमानों में यह प्रदेश एक नगीना बन गया है। देश में मानव विकास की पांचवीं पायदान पर पहुंचना यूं तो श्रेष्ठता की कहानी है, लेकिन इतनी सारी उपलब्धियों के बावजूद प्रदेश की प्रगति के आईनों में कुछ जख्मों का दर्द झलकता है। राष्ट्र के कई पथ, कई आकाश और कई प्रयास अभी भी हिमाचल को छोटा करके आंकते हैं। राष्ट्रीय संस्थानों की शिनाख्त में अगर हिस्सेदारी की मैरिट बने, तो इनकी स्थापना से नजरिया बदलेगा और प्रतिस्पर्धा में अवसर सामने आएंगे। बेशक हम मानव विकास की पांचवीं पायदान पर हैं, लेकिन क्या हम राष्ट्रीय अवसर प्राप्ति में भी पांचवें हैं। हम तो सेना भर्ती के कोटे में भी इसलिए पिछड़ जाते हैं, क्योंकि देश को बड़े राज्यों की जनसंख्या का आधार पुख्ता करना है। हम मैट्रो शहरों से ऊपर मानव विकास को रूपांतरित करते हैं, लेकिन केंद्र की चिंताओं में वित्त पोषण की जागीर को हम नहीं छू पाते। एक सैंपल के लिहाज से हमारा गुणात्मक पक्ष हमें गौरवान्वित करता है, लेकिन मानव विकास के आंकड़े आर्थिक विकास में परिवर्तित नहीं होते। दरअसल यह राज्य उपभोक्तावाद के रूप में प्रति व्यक्ति खरीद फरोख्त में अव्वल हो रहा है।

छठ पर्व में राजनीति की घुसपैठ

पूर्वांचलियों के लिए महापर्व समान छठ पूजा चार दिनों की धूमधाम के साथ संपन्न हुई। बीते कुछ बरसों में बिहार और उत्तरप्रदेश के अलावा दिल्ली, मुंबई, कोलकाता जैसे महानगरों में भी छठ की धूम दिखने लगी है, क्योंकि इन राज्यों में बड़ी संख्या में रोजगार, शिक्षा या व्यवसाय के लिए पूर्वांचल से लोग आकर बस गए हैं। छठ पर्व में 36 घंटे का कठिन व्रत किया जाता है और व्रतियों के अलावा पूरा परिवार स्वच्छता पर खास ध्यान देता है। इस पर्व में नदियों की महत्ता, खेती का सम्मान नए सिरे से रेखांकित किया जाता है। छठ का प्रसाद घर पर ही बनता है, और इसी का वितरण सबमें होता है। अर्घ्य देने के वक्त सूप में गन्ना, मूली, कंद, सेब, केले जैसे मौसमी फल होते हैं। इस लिहाज से देखें तो दीपावली, करवा चौथ, क्रिसमस आदि के विपरीत छठ पर्व ने अब तक बाजार को अनाधिकार प्रवेश से रोक कर रखा है। हालांकि राजनीति ने लोक आस्था के इस पर्व में अपनी घुसपैठ कर ही ली है। हिंदी पट्टी पर भाजपा धार्मिक भावनाओं को भुनाते हुए ही अपना दबदबा बढ़ा पाई है। पहले ये भावनाएं राम मंदिर से जुड़ी हुई होती थीं, अब मंदिर बन गया है तो भाजपा ने अपनी रणनीति में हिंदू धर्म के पर्व त्योहारों को सियासत का जरिया बना लिया है। नवरात्रि पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री व्रत और कन्यापूजा करते दिखते हैं।

रामलीलाओं का हिस्सा बनते हैं। दीपावली पर अयोध्या में दीए जलाने का रिकार्ड बनने लगा है और अब दिल्ली जीतने के बाद यहां भी यह सिलसिला शुरु हो गया है। छठ पूजा पर भी दिल्ली में हलचल रहती ही थी, लेकिन इस बार बिहार चुनाव के कारण भाजपा ने मानो इसे अपना राजनैतिक पर्व मनाने के लिए इस्तेमाल किया। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता भी अर्घ्य देते नजर आईं, ताकि पूर्वांचलियों से निकटता दिखा सकें। इस बार तो राष्ट्रपति मुर्मू के अर्घ्य देने की तस्वीरें भी सामने आईं। बिहार के नेताओं के घरों पर शुरु से छठ पूजा होती रही है। लेकिन बिहार चुनावों के कारण सोशल मीडिया पर सभी ने छठ पूजा की खूब सारी तस्वीरें डालीं, ताकि जनता को बताया जा सके कि छठी मैया से उन्होंने आशीर्वाद मांगा है। समाज पर सवाल हालांकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार तस्वीरों की इस प्रतियोगिता में चूक गए। उनकी तैयारी तो पूरी थी कि दिल्ली के वासुदेव घाट पर जाकर अर्घ्य वे दें और फिर उन तस्वीरों को जनता तक पहुंचाएं। भाजपा समर्थित मीडिया के कुछ एंकर्स भी वासुदेव घाट जाकर, रेखा गुप्ता का साक्षात्कार कर यह माहौल बना चुके थे कि भाजपा सरकार के आते ही यमुना नदी साफ हो गई है। लेकिन इन्हीं खबरों के बरक्स आम आदमी पार्टी के दिल्ली अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज और कुछ पत्रकारों ने यमुना नदी की सफाई की पोल खोल दी, जिसकी वजह से प्रधानमंत्री मोदी को उगते सूर्य को अर्घ्य देने और बिहार चुनाव से ठीक पहले छठी मईया के नाम पर भावनाओं को भुनाने का मौका नहीं मिला। भाजपा ने प्रधानमंत्री मोदी के आने को लेकर कई जगह पोस्टर–बैनर लगाए थे। खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता इस अवसर के इंतजार में थीं कि श्री मोदी वासुदेव घाट पर डुबकी लगाते तो हाईकमान के सामने उनके अंक कुछ और बढ़ जाते। लेकिन मीडिया के एक हिस्से ने पड़ताल कर यह सच जनता के सामने ला दिया कि प्रधानमंत्री मोदी के लिए एक नकली यमुना बनाई गई है और उसमें साफ पानी लाकर डाला गया है।

यूपी में बड़े पैमाने पर ट्रांसफर

प्रदेश में बड़े पैमाने पर आईएएस अधिकारियों के तबादले

46 नौकरशाह इधर से उधर

गोरखपुर,संवाददाता

यूपी में 46 अफसरों का तबादला किया गया है। इसमें आईएएस कृतिका ज्योत्सना को बस्ती का डीएम, वाराणसी के सीडीओ हिमांशु नागपाल को वाराणसी का नगर आयुक्त बनाया गया है। वाराणसी की एडीएम वंदिता श्रीवास्तव को कुशीनगर का सीडीओ बनाया गया है। रामपुर के सीडीओ नंद किशोर कलाल को गाजियाबाद का उपाध्यक्ष बनाया गया है। मिर्जापुर के आईएएस बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिवालय सामान्य प्रशासन बनाया गया है। उनकी जगह राजेश कुमार की नियुक्ति की गई है।

सीतापुर के डीएम बने विशेष सचिव आबकारी

सीतापुर के जिलाधिकारी अभिषेक आनंद को विशेष सचिव आबकारी बनाया गया है। वहीं, सिद्धार्थ नगर के डीएम राजा गणपति आर को डीएम सीतापुर बनाया गया है।

कौशांबी और बलरामपुर के भी जिलाधिकारी बदल गए हैं। दूसरी ओर राजेश कुमार को मिर्जापुर का नया मंडलायुक्त नियुक्त किया गया है। अन्य तबादलों में प्रखर सिंह को वाराणसी का मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) बनाया गया है।

अश्विनी कुमार पांडेय बने श्रावस्ती के नए जिलाधिकारी, अजय कुमार द्विवेदी का तबादला

शासन से मंगलवार को बड़े स्तर पर प्रशासनिक फेरबदल किया गया। इसके तहत श्रावस्ती जिलाधिकारी रहे अजय कुमार द्विवेदी को रामपुर जिले का डीएम बनाया गया। वहीं, अयोध्या विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अश्विनी कुमार पांडेय को श्रावस्ती जिले की कमान सौंपी गई है। हालांकि, खबर खिले जाने तक नई तैनाती पाने वाले डीएम अश्विनी कुमार पांडेय जिला नहीं पहुंचे थे।

अवैध निर्माणों पर कार्रवाई के लिए याद किए जाएंगे अजय

श्रावस्ती के जिलाधिकारी रहे अजय कुमार द्विवेदी ने अपने कार्यकाल में अवैध निर्माणों के खिलाफ जमकर कार्रवाई की। अवैध रूप से सरकारी जमीन पर निर्मित 28 मदरसों, दो मस्जिद, पांच मजार व दो ईदगाह सहित कुल 37 ध्वस्तीकरण किए। साथ ही निजी जमीन पर अवैध रूप से संचालित 112 मदरसों को सील करवाया।

यही नहीं राजस्व वादों के निस्तारण में श्रावस्ती लगातार टॉप–10 जिलों में शामिल रहा और अगस्त माह की रैंकिंग में धारा–116, धारा– 98 व धारा– 38(2) की कार्रवाई में प्रदेश में अव्वल रहा।

मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान 2024–25, एनीमिया मुक्त भारत अभियान में भी श्रावस्ती प्रदेश में पहले स्थान पर रहा।

साथ ही सोलर स्ट्रीट लाइट, विद्युत बिल सुधार, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, बीज डीबीटी, पीएम कुसुम योजना, मोबाइल मेडिकल युनिट, दिव्यांग पेंशन, अंडा उत्पादन, पशु टीकाकरण, मत्स्य संपदा योजना, शादी अनुदान आदि में भी श्रावस्ती प्रदेश में पहले स्थान पर रहा।

तबादलों में दस जिलों के डीएम शामिल

प्रदेश सरकार ने मंगलवार को 46 आईएएस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव कर दिया। इनमें विंध्याचल, सहारनपुर व मेरठ के कमिश्नर और सीतापुर, बलरामपुर और श्रावास्ती समेत 10 जिलों के डीएम शामिल हैं। अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास विभाग के सचिव, सीईओ इन्वेस्ट यूपी व मेला अधिकारी, कुंभ विजय किरन आनंद का कद बढ़ाते हुए उन्हें वर्तमान पदों के साथ उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) का सीईओ, प्रभारी एनआरआई सेल और लीडा के सीईओ का अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है।

यूपीसीडा के सीईओ, प्रभारी एनआरआई सेल व सीईओ लीडा मयूर माहेश्वरी को अपेक्षाकृत कम महत्व के माने जाने वाले पद पर भेजा गया है।

उन्हें उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम और उत्तर प्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन लिमिटेड का प्रबंध निदेशक बनाया गया है।

धनलक्ष्मी के. सचिव राज्य मानवाधिकार आयोग को महानिदेशक मत्स्य, संजय कुमार महानिदेशक सार्वजनिक उद्यम को वर्तमान पद के साथ सचिव राज्य मानवाधिकार आयोग बनाया गया है।

भानु चंद्र गोस्वामी को मेरठ की कमान

विंध्याचल के कमिश्नर बाल कृष्ण त्रिपाठी को सचिव सामान्य प्रशासन, सहारनपुर के कमिश्नर अटल कुमार राय को सचिव गृह विभाग और मेरठ के मंडलायुक्त डॉ. हृषिकेश भास्कर यशोद को सचिव राजस्व विभाग, राहत आयुक्त एवं चकबंदी आयुक्त बनाया गया है।

महानिदेशक मत्स्य राजेश प्रकाश को मंडलायुक्त विंध्याचल, प्रबंध निदेशक राज्य विद्युत उत्पादन निगम व पॉवर ट्रांसमिशन कॉर्पोरेशन डॉ. रूपेश कुमार को मंडलायुक्त सहारनपुर और सचिव राजस्व, राहत व चकबंदी आयुक्त भानु चंद्र गोस्वामी मंडलायुक्त मेरठ बनाया गया है।

विपिन जैन बलरामपुर और राजागणपति सीतापुर के डीएम

राहुल पांडेय डीएम हाथरस से विशेष सचिव राज्य कर, अतुल वत्स उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण से जिलाधिकारी हाथरस, अमनदीप डुली डीएम ललितपुर से अपर आयुक्त मनरेगा, अभिषेक आनंद डीएम सीतापुर से विशेष सचिव आबकारी, राजागणपति आर डीएम सिद्धार्थनगर से डीएम सीतापुर, कृत्तिका ज्योत्सना विशेष सचिव राज्य कर से डीएम बस्ती, रवीश गुप्ता डीएम बस्ती से प्रबंध निदेशक पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ, शिवशरणप्पा जीएन डीएम चित्रकूट से डीएम सिद्धार्थनगर, पुलकित गर्ग उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण से डीएम चित्रकूट बनाए गए हैं। मधुसूदन हुल्गी डीएम कौशाम्बी से विशेष सचिव सीएम, अमित पाल उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण से डीएम कौशाम्बी, पवन अग्रवाल डीएम बलरामपुर से विशेष सचिव गृह, विपिन कुमार जैन विशेष सचिव मुख्यमंत्री तथा अपर आवास आयुक्त विपिन कुमार जैन को डीएम बलरामपुर, सत्य प्रकाश नगर आयुक्त झांसी को डीएम ललितपुर, अश्विनी कुमार पांडेय उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण को डीएम श्रावस्ती, अजय कुमार द्विवेदी डीएम श्रावस्ती को डीएम रामपुर और जोगिंदर सिंह डीएम रामपुर को विशेष सचिव नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग बनाया गया है।

इन अधिकारियों को भी मिलेगी नई तैनाती

हिमांशु नागपाल सीडीओ वाराणसी से नगर आयुक्त वाराणसी, प्रखर कुमार सिंह सीडीओ अलीगढ़ एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक अलीगढ़ से सीडीओ वाराणसी, योगेंद्र कुमार उप निदेशक मंडी परिषद से सीडीओ अलीगढ़ एवं संभागीय खाद्य नियंत्रक अलीगढ़, ईशा दुहन प्रबंध निदेशक पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम मेरठ से प्रबंध निदेशक से प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ, कुमार विनीत प्रबंध निदेशक उत्तर प्रदेश सहकारी चीनी मिल्स संघ को विशेष सचिव युवा कल्याण एवं खेल विभाग, पूर्ण वोहरा सीडीओ बिजनौर से उपाध्यक्ष वाराणसी विकास प्राधिकरण, रणविजय सिंह एडीएम (प्रशासन) गाजियाबाद से सीडीओ बिजनौर, अक्षत वर्मा नगर आयुक्त वाराणसी से विशेष सचिव नियोजन, ऋषि राज नगर आयुक्त फिरोजाबाद एवं उपाध्यक्ष फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण को उपाध्यक्ष प्रयागराज विकास प्राधिकरण, गुंजन द्विवेदी सीडीओ कुशीनगर से नगर आयुक्त फिरोजाबाद तथा उपाध्यक्ष फिरोजाबाद–शिकोहाबाद विकास प्राधिकरण, वंदिता श्रीवास्तव एडीएम वित्त वाराणसी से सीडीओ कुशीनगर, नंद किशोर कलाल सीडीओ रामपुर से उपाध्यक्ष गाजियाबाद विकास प्राधिकरण, महेंद्र कुमार सिंह एडीएम वित्त अयोध्या से सीडीओ रामपुर, आकांक्षा राणा विशेष कार्याधिकारी कुंभ मेला प्राधिकरण से नगर आयुक्त झांसी, देवेंद्र कुमार सिंह कुशवाहा विशेष सचिव आबकारी से विशेष सचिव रेशम बनाए गए हैं।

अनुराज जैन सीडीओ महराजगंज से उपाध्यक्ष अयोध्या विकास प्राधिकरण, गुलाब चंद्र एडीएम प्रशासन मुरादाबाद से सीडीओ महराजगंज, सूरज पटेल सीडीओ अमेठी से सीईओ उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद, सचिन कुमार सिंह संयुक्त निदेशक मंडी परिषद से सीडीओ अमेठी बने हैं।

सांसद रवि किशन को जान से मारने की धमकी, आरोपी ने खुद को अभिनेता–नेता खेसारी लाल का समर्थक बताया

गोरखपुर,संवाददाता। आरोप है कि उसने सांसद के निजी सचिव शिवम द्विवेदी को कॉल कर धमकी दी है। शिवम की तहरीर पर रामगढ़ताल थाने में केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। सदर सांसद रवि किशन शुक्ला को एक व्यक्ति ने जान से मारने की धमकी दी है। धमकी देने का आरोपी अजय कुमार यादव खुद को अभिनेता–नेता खेसारी लाल यादव का समर्थक बता रहा है। वह बिहार के आरा जिले के जवनिया गांव का रहने वाला है।

आरोप है कि उसने सांसद के निजी सचिव शिवम द्विवेदी को कॉल कर धमकी दी है। शिवम की तहरीर पर रामगढ़ताल थाने में केस दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है। इस मामले को लेकर शिवम और पवन दूबे ने शुक्रवार को एसएसपी राजकरन नय्यर से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि आरोपी अजय कुमार यादव ने कॉल पर न केवल अभद्र भाषा का प्रयोग किया बल्कि धमकी दी कि रवि किशन एक जाति विशेष पर टिप्पणी करते हैं।

इसलिए वह उन्हें गोली मार देगा। शिवम द्विवेदी का कहना है कि जब उन्होंने यह कहा कि सांसद ने कभी भी किसी जाति विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी नहीं की है तो आरोपी, सांसद और उन्हें गालियां देने लगा। आरोपी ने कहा कि उसे सांसद की हर गतिविधि की जानकारी है, जब वह चार दिन बाद बिहार आएंगे तो उन्हें जान से मार देगा।

'कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, नहीं तो...

सीओ सदर पत्नी ने डाक्टर पति को दी धमकी, बेटे का सरनेम भी बदला

गोरखपुर,संवाददाता। आजमगढ़ में तैनात सीओ सदर पर डॉक्टर पति ने गंभीर आरोप लगाया है। आरोप है कि मेरी सीओ पत्नी न तलाक दे रहीं न साथ देने के लिए तैयार हैं। साथ ही धमकी भी दे रही हैं। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ जिले से हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां तैनात सीओ सदर पर उनके ही पति ने धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। गुरुवार को पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचे उनके पति डॉ. सत्यम ने मीडिया को बताया कि शादी के बाद पुत्र की प्राप्ति के बाद उनकी पत्नी अलग रह रहीं हैं। जब भी वह बात करने की कोशिश करते हैं तो वह उन्हें जेल भेजने की धमकी देती हैं। राजकीय मेडिकल कॉलेज चक्रपानपुर में सहायक प्रोफेसर के पद पर तैनात डॉ. सत्यम ने बताया कि जून 2023 में

बलिया निवासी आस्था जायसवाल से उनका विवाह हुआ था। अप्रैल 2024 में दंपती को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। डॉ. सत्यम का आरोप है कि बच्चे का नाम उनकी सहमति के बिना बदल दिया गया। पहले उनके पुत्र का सरनेम गुप्ता था, जिसे बदलकर अब जायसवाल कर दिया गया है। शादी के बाद पत्नी की विधिवत विदाई कभी नहीं हुई और अब वह अलग रह रही हैं।

'कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, नहीं तो भेज दूंगी जेल'

जब उनसे बात करने की कोशिश की गई तो सीओ ने चेतावनी दी कि कायदे में रहोगे तो सोचूंगी, वरना जेल भेज दूंगी। इस मामले में डॉ. सत्यम बृहस्पतिवार को पुलिस से मिले।

'न तो उनकी पत्नी उन्हें तलाक दे रही हैं और न ही उनके साथ रहने को तैयार'

उन्होंने यह भी बताया कि मार्च 2025 में उन्होंने अदालत में तलाक के लिए आवेदन दिया है। न तो उनकी पत्नी उन्हें तलाक दे रही हैं और न ही उनके साथ रहने को तैयार हैं। जब उनसे बात की जाती है तो वह जेल भेजने की धमकी देती हैं। यह उनका पर्सनल मामला है। वह आए थे हमारे पास उनसे बात हुई लेकिन उन्होंने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। इसलिए इस मामले में कुछ कहना उचित नहीं होगा।

– डॉ. अनिल कुमार, एसपी।

सीएम हेल्थ डैशबोर्ड में गोरखपुर मंडल अव्वल

गोरखपुर,संवाददाता। पिछले डेढ़ साल के अंदर इस सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर सीएमओ ने जिले के सभी स्वास्थ्यकर्मियों, चिकित्सा अधिकारियों और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन टीम को बधाई देते हुए और भी बेहतर प्रयास करने के निर्देश दिए हैं। वहीं, गोरखपुर मंडल के बेहतरीन प्रदर्शन के लिए एडी हेल्थ डॉ. जयंत कुमार ने स्वास्थ्य कर्मियों को बधाई दी है। सीएम हेल्थ डैशबोर्ड रैंकिंग में गोरखपुर जिला प्रदेश में पांचवें स्थान पर है। वहीं गोरखपुर मंडल प्रदेश में अव्वल आया है। स्वास्थ्य सेवाओं में गुणात्मक सुधार और गुणवत्तापूर्ण रिपोर्टिंग के आधार पर हर महीने रैंकिंग जारी होती है। यह रैंकिंग सितंबर की है। इससे पहले मई की रैंकिंग में जिले को 10वां स्थान मिला था। वहीं, मई 2024 में गोरखपुर को प्रदेश में पांचवां स्थान हासिल हुआ था। यह जानकारी सीएमओ डॉ. राजेश झा ने दी। इस अवसर पर जिला अस्पताल में मरीजों के लिए फल वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अटकहवा पुल गैंगवार

6 आरोपी गिरफ्तार, इंस्पेक्टर पीपीगंज लाइनहाजिर; आमने–सामने से मनबढ़ों ने बरसाई थी गोलियां

गोरखपुर,संवाददाता। अकटहवा पुल पर दूसरे दिन भी एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव, सीओ कर्नलगंज व पनियरा थाने की फोर्स ने डेरा डाला। एसपी नार्थ की अगुवाई में पुलिस फोर्स पनियरा के नरकटहां गांव में दबिश दी। प्रकाश में आए लोगों की परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। अटकहवा पुल के पास हुए गैंगवार के बाद पीपीगंज और महाराजगंज के पनियरा पुलिस ने दोनों गैंग के छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। 29 आरोपी अभी भागे हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों में दो बाल अपचारी भी शामिल हैं। इधर, घटना की गंभीरता को देखते हुए एसएसपी ने इंस्पेक्टर पीपीगंज प्रभु दयाल सिंह को लाइनहाजिर कर दिया है। उनके स्थान पर बांसगांव कस्बा चौकी प्रभारी रहे अरुण कुमार को पीपीगंज थाने की कमान सौंपी है। वहीं, एसपी नार्थ के नेतृत्व में पुलिस ने लगातार दूसरे दिन भी गोरखपुर–महराजगंज बॉर्डर पर कैंप कर बदमाशों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी। अकटहवा पुल पर सोमवार दोपहर वर्चस्व को लेकर रेड गैंग और एके–47 गैंग भिड़ गए थे। इस गैंगवार की आंच लखनऊ तक पहुंचने के बाद एसआई आदर्श कुमार ने मंगलवार को दोनों गैंग के 35 बदमाशों के खिलाफ दंगा फैलाने, मारपीट कर गंभीर चोट पहुंचाने, गिरोह बनाकर अपराध करने, शांतिभंग के इरादे से अपमान करने, जान से मारने की धमकी देने, उतावलेपन में दूसरे के जीवन को खतरे में डालने, उकसाने व हत्या की कोशिश की धारा में केस दर्ज कराया था। इसमें 15 नामजद और 25 अज्ञात को आरोपी बनाया गया है।

ये हैं गिरफ्तार आरोपी

पीपीगंज और महाराजगंज के पनियरा थाने की पुलिस ने छह मंगलवार देर रात दोनों गैंग के छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें दो बाल अपचारी हैं। आरोपियों की पहचान पीपीगंज के भवनपुरवा अकटहवा टोला निवासी रामअनुज, महाराजगंज के पनियरा नरकटहा निवासी प्रदीप यादव, पनियरा के डोमरा अकटहवा टोला निवासी अंकित निषाद और शिव नारायण साहनी के रूप में हुई है।

पुलिस ने चारों आरोपियों को जेल भिजवा दिया है। साथ ही दो बाल अपचारियों को बाल सुधार गृह भिजवाया है। अन्य भागे आरोपियों की तलाश में पीपीगंज और पनियरा थाना पुलिस संयुक्त अभियान चला रही है। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है। गैंगवार में शामिल सभी आरोपियों की पहचान की जा चुकी है। भागे आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दो थानों की पुलिस फोर्स लगातार क्षेत्र में दबिश दे रही है।

जितेंद्र श्रीवास्तव, एसपी नार्थ

बहराइच नाव हादसे की दर्दनाक कहानी

5 साल का नाती-नातिन लहरों में समा गए

रुला देगा नानी का आंखों देखा बयान

'आंखिन के सामने बहि गे नाती–नातिन

आपबीती बताते हुए फफक पड़ी सोनापति

बहराइच,संवाददाता । नाव पलटने के बाद किसी तरह बाहर निकलीं सोनापति ने बहराइच नाव हादसे की आंखों देखी बताई। उन्होंने कहा कि 'हमरी आंखिन के सामने नाती–नातिन बहि गे, हम कुछ न कई पावा। दरअसल, उनके कई रिश्तेदार अभी भी लापता हैं। इनमें दो बच्चे हैं। यह कहते हुए वह फफक पड़ीं। 'हम नाविक से कहित रहेन अधेंर होत है, जल्दी चलो भैया। लेकिन हमार बात कोऊ नहीं सुना। अंधेरे मा नाव लइके चले। पानी मा एक बड़ा पेड़ पड़ा रहै।

बस नाव पलटि गे। हम तो बचि गएन, हमार पांच साल की नातिन और दो नाती आंखिन के सामने बहि गे।' यह कहते हुए अस्पताल में भर्ती सोनापति का गला रुंध गया। जैसे–जैसे वो नाव हादसे की आंखों देखी बता रही थीं। शब्द जैसे उनके गले से बाहर आने की बजाय अंदर ही धंसते चले जा रहे थे।

> **लापता लोगों में भरथापुर निवासी दो नाव चालक मिहीलाल (40) पुत्र पुतई, शिवनंदन (50) पुत्र शालिक राम, कोमल (5) पुत्री पंचम निवासी मटेरा के दाड़े पुरवा, सुमन देवी (28) पत्नी प्रमोद, इनकी बेटी सुहानी (5) पुत्री प्रमोद, निवासी भरतपुर, ओमप्रकाश (30), इसका छोटा भाई मीनू (5) पुत्रगण घनश्याम, निवासी गिलौला, श्रावस्ती, और शिवम (11) पुत्र रामनरेश शामिल हैं।**

किसी तरह उन्होंने हादसे के बारे में कुछ जानकारी दी। इसके बाद शांत होकर लेट गईं और नाती–नातिन के ना मिलने के गम में डूब गईं। दरअसल, बुधवार की देर शाम बहराइच के ट्रांस गेरुआ क्षेत्र में कौड़ियाला नदी में यात्रियों से भरी एक नाव अनियंत्रित होकर पलट गई। इसमें एक महिला की मौत हो गई। जबकि, 13 लोग तैरकर बाहर निकल आए। मासूम बच्ची कोमल (5) पुत्री पंचम समेत आठ लोग अभी भी लापता हैं। गुरुवार को एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस और एसएसबी की टीमें इनकी तलाश में जुटी हैं।

बताया गया कि कोमल अपने मामा नरेश के साथ नानी सोनापति के घर आ रही थी। तीनों लोग नाव में सवार थे। नानी और मामा बचकर निकल गए। लेकिन, मासूम कोमल बह गई।

इसी तरह ओमप्रकाश और मीनू अपनी दादी रामजेई (65) पत्नी मटरुलाल के साथ उनकी बहन सोनापति निवासी भरथापुर के घर जा रही थीं। हादसे में दादी की मौत हो गई। जबकि, दोनों नाती लापता हैं। नाव में रामनरेश और उनका बेटा शिवम सवार थे। रामनरेश बच गए लेकिन, बेटा लापता है। बताया गया कि नाव सवार ज्यादातर भरथापुर के ग्रामीण थे। वह अक्सर खैरटिया बाजार खरीदारी को जाते थे। बुधवार को भी बाजार गए थे। लौटते समय हादसा हो गया। नाव में कुल 22 लोग सवार थे। 13 लोग तो तैरकर निकल गए। एक महिला की मौत हो गई। चार नाबालिगों समेत आठ लोग अभी भी लापता हैं।

धर्मांतरण के खिलाफ जौनपुर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

महिला समेत चार आरोपी गिरफ्तार, ऐसे हुआ भंडाफोड़

जौनपुर,संवाददाता। जौनपुर जिले की पुलिस ने धर्मांतरण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छापा मारकर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। केराकत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए चंगाई सभा की आड़ में धर्मांतरण कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने एक महिला के घर से बाइबिल की कई पुस्तकों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया है।

ये है मामला

कोतवाली क्षेत्र के सरकी गांव में ऑनलाइन माध्यम से आयोजित एक सभा में गरीब व पिछड़ी जाति के लोगों को ईसाई धर्म अपनाने के लिए प्रेरित और प्रलोभित किया जा रहा था। सूचना पर पुलिस ने छापा मारकर चार लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में गीता देवी पत्नी रामायन राम, उनकी पुत्री रेखा, सोनू पुत्र लहरू तथा विजय पुत्र हरिकंचन राम निवासी सरकी शामिल हैं।

प्रार्थी लखई राम पुत्र स्व. सेचन निवासी बंजारेपुर द्वारा दी गई तहरीर के अनुसार, उक्त सभी लोग कई वर्षों से सरकी गांव में गरीब और निम्न वर्ग के लोगों को यह कहकर धर्म परिवर्तन के लिए लालच दे रहे थे कि ईसाई धर्म अपनाने पर उन्हें दवाई–पानी का खर्च, नौकरी और सुंदर लड़की से शादी जैसी सुविधाएं दिलाई जाएंगी। इसके अलावा अपने घर पर ईसाई धर्म की प्रार्थना सभाएं आयोजित कर लोगों से हिंदू देव–देवताओं के प्रति अपशब्द कहलवाए जाते थे।

प्रार्थना सभा में ईसा मसीह का गुणगान करते हुए लोगों पर धर्म परिवर्तन का दबाव बनाया जाता था। शिकायतकर्ता का कहना है कि उसे भी पैसों का लालच देकर ईसाई धर्म अपनाने को कहा गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। क्षेत्राधिकारी अजीत कुमार रजक ने बताया कि ऑनलाइन सभा के दौरान मुखबिर की सूचना पर छापा मारा गया। मौके से बाइबिल की कई पुस्तकें बरामद की गई हैं। सभी आरोपितों के खिलाफ उत्तर प्रदेश धर्मांतरण प्रतिषेध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेजा गया है। इस कार्रवाई से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

विदेशों में भारतीय 'हैंडसम' युवाओं की खरीद–फरोख्त... 3500 से 4500 डालर कीमत

आगरा,संवाददाता। बेरोजगार युवाओं को नौकरी के नाम पर वियतनाम, कंबोडिया और लाओस भेजकर चीनी साइबर ठगों को बेचने वाले गिरोह के एक और एजेंट आमिर खान सरगुरु को पुलिस ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी से गिरफ्तार किया है। आगरा पुलिस ने ऐसे गैंग का खुलासा किया है, जो विदेशों में भारतीय युवकों को बेचता है। इस गैंग एक और शातिर पुलिस के हत्थे चढ़ गया है। उसे पुलिस ने महाराष्ट्र के रत्नागिरी से गिरफ्तार किया है।

हर अपराध का अलग किरदार

साइबर अपराधी नए–नए तरीके अपनाकर लोगों को शिकार बनाते हैं। इनमें डिजिटल अरेस्ट, शेयर ट्रेडिंग और हनी ट्रैप अधिक हैं। सरगना भारत के साथ ही पाकिस्तान, बांग्लादेश और नेपाल के युवाओं को खरीदते हैं। एक बार उनके कार्यालय में आने के बाद टेस्ट लिया जाता है। फिल्मों की तरह सीन होता है, उसी तरह के किरदार भी बनाए जाते हैं, उसी तरह युवाओं को जिम्मेदारी भी दी जाती थी।

अलग–अलग स्क्रिप्ट

अलग–अलग क्राइम के लिए अलग–अलग स्क्रिप्ट को पढ़वाकर देखा जाता था। युवक जिस स्क्रिप्ट को अच्छे से याद करते थे, उसे उसी प्रकार का साइबर अपराध करने की जिम्मेदारी दी जाती थी। जो लोग तैयार हो जाते थे, उन्हें प्रतिमाह 45 से 60 हजार रुपये और अलग से कमीशन भी दिया जाता था। जिस बिल्डिंग में कार्यालय संचालित हो रहे हैं, उनमें हर फ्लोर पर अलग अपराध के लिए युवक रहते हैं। वहीं डिजिटल अरेस्ट के लिए अलग–अलग कमरों में पुलिस, सीबीआई, आयकर विभाग की तरफ कार्यालय बना रखे हैं।

एजेंट से की जा रही है पूछताछ

अपर पुलिस उपायुक्त नगर आदित्य सिंह ने बताया कि विदेश में नौकरी का झांसा देकर साइबर ठगों के चीनी सरगनाओं को युवाओं के बेचने वाले गिरोह के एक और एजेंट आमिर खान को रत्नागिरी से आगरा लाया गया है। उससे पूछताछ की गई है। गिरोह के और भी लोगों के नाम सामने आए हैं। इन सभी की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

साढ़े चार लाख रुपये लेकर भेजे गए

साइबर सेल में शिकायत करने वाला मलपुरा का अखिल स्नातक पास है। वह वर्ष 2024 में कंबोडिया गया था। पुलिस को बताया कि वहां पहुंचने पर उसे पता चला कि गिरोह साइबर ठगी करा रहा है। उसे एक कंपनी के ऑफिस में ले जाकर बंधक बना लिया गया। उसने विदेश मंत्रालय और भारतीय दूतावास को ईमेल करके मदद की गुहार लगाई। इस पर उसे मंत्रालय के प्रयास से रेस्क्यू कराया गया। 16 दिन बाद वो भारत आ सका था। उसके साथ कानपुर के इमरान और समीर भी वापस आए थे। उन तीनों को आरोपी आमिर खान ने 4.50–4.50 लाख रुपये लेकर विदेश भेजा था। इसके बाद साइबर गिरोह के सरगना से भी 4500 डॉलर तक लिए थे।

कर्ज लेकर विदेश गए थे, अब क्या करेंगे?

पीड़ित युवक बुधवार को साइबर सेल पहुंचे। इनमें से चार युवक मलपुरा के हैं। उन्होंने बताया कि विदेश भेजने के लिए एजेंटों ने उन्हें कई सपने दिखाए। उन्हें लग रहा था कि हर महीने अच्छी कमाई होगी। खर्च के बाद जो बचेगा उसे परिवार में भेज देंगे। मगर विदेश पहुंचने के बाद साइबर ठगी कराने वाले गिरोह का पता चला। वह किसी तरह वापस आ सके। गांव वापस आने के बाद लोग तरह–तरह की बात करने लगे। उन्होंने एजेंटों को रकम देने के लिए कर्ज लिया था। किसी ने खेत और मकान तक गिरवी रख दिया था। अब वापस आए तो नौकरी भी नहीं है। उन्हें डर सता रहा है कि कैसे कर्ज चुका पाएंगे।

तीन लाख के लिए बहन का कत्ल

बोरे में भरी लाश लेकर 70किमी तक बाइक से घूमता रहा भाई, नीलम हत्याकांड की कहानी

गोरखपुर,संवाददाता। गोरखनाथ थाना क्षेत्र की रामपुर नयागांव निवासी 19 वर्षीय नीलम निषाद की हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। तीन लाख रुपये के लिए भाई ने ही बहन की हत्या की थी। हत्या के बाद आरोपी भाई शव को बोरे में लेकर कुशीनगर के नेबुआ नौरंगिया में फेंक आया था। गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र के रामपुर नयागांव में तीन लाख रुपये के विवाद में एक भाई ने अपनी ही बहन की गला दबाकर हत्या कर दी। हत्या के बाद वह शव को बोरे में भरकर कुशीनगर जिले के नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र में गन्ने के खेत में फेंक आया।

गुमशुदगी की सूचना मिलने के दो दिन बाद पुलिस ने बुधवार देर रात आरोपी भाई की निशानदेही पर शव बरामद कर लिया। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। रामपुर नयागांव निवासी नीलम निषाद (19) बीते 27 अक्तूबर की शाम पांच बजे घर से निकली थी और फिर नहीं लौटी।

उसकी बहन इसरावती देवी ने रात में 112 नंबर पर गुमशुदगी की सूचना दी थी। अगले दिन परिजनों ने थाने में तहरीर देकर नीलम के भाई राम आशीष निषाद पर हत्या की आशंका जताई। परिवार के मुताबिक, तीन लाख रुपये के लेनदेन को लेकर दोनों के बीच विवाद चल रहा था।

पुलिस ने राम आशीष को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो पहले उसने गुमराह करने की कोशिश की और बताया कि वह कुशीनगर के कप्तानगंज में पत्नी के पास गया था। मगर सर्विलांस और साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने सच्चाई उजागर कर दी।

रस्सी से बहन का गला दबाकर की हत्या

दबाव में आने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी ने बताया कि उसने घर में ही रस्सी से बहन का गला दबाकर हत्या की और शव को बोरी में भरकर कुशीनगर में फेंक दिया। पुलिस ने बुधवार देर रात आरोपी की निशानदेही पर शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

सीसीटीवी फुटेज और सीडीआर के जरिये खुला राज

गोरखपुर के गोरखनाथ थाना क्षेत्र की रामपुर नयागांव निवासी 19 वर्षीय नीलम निषाद की हत्या के मामले में नया खुलासा हुआ है। आरोपी भाई रामआशीष निषाद की करतूत सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। सोमवार शाम को उसने बहन की हत्या के बाद शव को बोरे में भरकर बाइक से कुशीनगर ले जाकर फेंक दिया था। गली के मोड़ पर बोरा कई बार गिरा, जिसे वह जल्दी–जल्दी उठाकर भागता दिखा। स्थानीय महिला सुदामी देवी ने बताया कि उन्होंने सोमवार की शाम राम आशीष को बोरे में कुछ रखकर ले जाते देखा था। संदेह होने पर उन्होंने यह बात पुलिस को बताई। पुलिस ने जब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच की तो पूरा घटनाक्रम फुटेज में कैद मिला। इसके बाद आरोपी को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ की गई। पहले तो वह बार–बार बयान बदलता रहा, लेकिन जब पुलिस ने फुटेज और साक्ष्य दिखाए तो वह टूट गया और जुर्म कबूल कर लिया।

तीन लाख रुपये को लेकर चल रहा था विवाद

नीलम के पिता चिंकू निषाद ने बताया कि उनके बेटे रामआशीष और बेटी नीलम के बीच लंबे समय से संपत्ति और रुपये को लेकर झगड़ा चल रहा था। तीन साल पहले जमीन अधिग्रहण के मुआवजे के बाद से परिवार में तनाव था। उन्होंने बताया कि नीलम की शादी के लिए तीन लाख रुपये अलग रखे थे, जिन्हें रामआशीष बार–बार मांगता था। रुपये न मिलने पर वह नीलम को जान से मारने की धमकी देता था। आखिरकार उसी खुन्नस में उसने नीलम की गला दबाकर हत्या कर दी और शव को बोरे में भरकर फेंक दिया।

70 किमी तक बाइक से बहन का शव लेकर घूमता रहा भाई

राम आशीष निषाद बहन नीलम की हत्या के बाद उसका शव बोरे में भरकर बाइक से करीब 70 किमी दूर कुशीनगर तक ले गया। रास्ते में कई जगह बोरा गिरा भी, लेकिन वह गेहूं ले जाने की बात कहकर लोगों को गुमराह करता रहा। पुलिस को भी उसकी हरकतों की भनक नहीं लगी। बाद में सीसीटीवी फुटेज से सारा सच सामने आ गया। पुलिस ने भी जब आरोपी से पूछताछ की तो पहले उसने गेहूं का बोरा ससुराल कप्तानगंज ले जाने की बात कही, लेकिन जब उसके परिजनों ने विवाद की बात बताई तो वह शक के दायरे में आ गया।

नवरात्र से मायके में है आरोपी की पत्नी व बेटी

पिता ने बताया कि आरोपी राम आशीष पेशे से राजगीर है। वह अपनी पत्नी रेनू व बेटी के साथ परिवार से अलग रहता था। नवरात्र से ही उसकी पत्नी व बेटी कप्तानगंज स्थित अपने मायके में हैं। पत्नी व बेटी के मायके में रहने के बाद से उसका व्यवहार भी बदल गया था। आए दिन मरने मारने की बात करता था।

सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों से आरोपी की संलिप्तता की पुष्टि हुई है। पूछताछ में उसने बहन की हत्या की बात स्वीकार कर ली है। शव को बोरे में भरकर कुशीनगर के गन्ने के खेत में फेंका गया था। इसे बरामद कर लिया गया है।– **अभिनव त्यागी, एसपी सिटी**

हिरासत में लिए गए आरोपी ने स्वीकार किया है कि उसने बहन की रस्सी से गला दबाकर हत्या की और शव को गन्ने के खेत में फेंक दिया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर शव बरामद कर लिया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।– **अभिनव त्यागी, एसपी सिटी**

बदलते मौसम में घट रही प्रतिरोधक क्षमता, वायरस बैक्टीरिया बना रहे बीमार

गोरखपुर,संवाददाता। हवा में नमी और तापमान में बदलाव के कारण वायरस, बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ते हैं और ऐसे में सर्दी–खांसी, फ्लू और अन्य सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। एमडी फिजिशियन डॉ. पंकज ने बताया कि मौसम में अचानक 10 डिग्री तापमान गिरने की वजह से सबसे आम वायरल संक्रमण सर्दी और जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

बदलते मौसम में प्रतिरोधक क्षमता कम होने के कारण शरीर वायरस और बैक्टीरिया के संपर्क में आसानी से आ जा रहा है। जरा सी लापरवाही लोगों को बीमार बना दे रही है। पिछले दो दिनों में तापमान में काफी उतार–चढ़ाव हो गया है। अचानक धूप, कम आर्द्रता, धूप में कमी और हवा में नमी के कारण वायरस और बैक्टीरिया तेजी से पनपने लगे हैं।

ऐसे में सरकारी अस्पतालों से लेकर प्राइवेट चिकित्सकों के पास सर्दी–खांसी, फ्लू और अन्य सांस संबंधी बीमारियों के मरीज काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। जिला अस्पताल के सीएमएस बीके सुमन ने बताया कि तापमान के उतार–चढ़ाव से शरीर का इम्यून सिस्टम प्रभावित होता है और बैक्टीरिया/वायरस के लिए एक आदर्श वातावरण बनता है। पिछले दो दिनों से मौसम में काफी बदलाव आया है। शुष्क या नम हवा में वायरस और बैक्टीरिया आसानी से फैलते हैं। जब मौसम बदलता है तो शरीर को नई परिस्थितियों के अनुकूल होने में समय लगता है, जिससे प्रतिरक्षा प्रणाली कमजोर हो सकती है।

हवा में नमी और तापमान में बदलाव के कारण वायरस, बैक्टीरिया और फंगस तेजी से बढ़ते हैं और ऐसे में सर्दी–खांसी, फ्लू और अन्य सांस संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है। एमडी फिजिशियन डॉ. पंकज ने बताया कि मौसम में अचानक 10 डिग्री तापमान गिरने की वजह से सबसे आम वायरल संक्रमण सर्दी और जुकाम के मरीजों की संख्या बढ़ी है।

इसके अलावा इन्फ्लूएंजा (फ्लू) की वजह से अचानक तेज बुखार, कंपकंपी, थकान और खांसी जैसी दिक्कतें सामने आने लग रही हैं। मौसम की नमी या अचानक से बदले मौसम में गिरे तापमान ने निमोनिया, ब्रोंकाइटिस, और अस्थमा के मरीजों की संख्या भी बढ़ा दी है।

तापमान बदलने से इन बीमारियों का रहता है संकट

एम्स के मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि जब हवा ठंडी होती है तो नाक और गले के ऊतक सिकुड़ने लगते हैं। इससे वाइट ब्लड सेल्स वहां तक आसानी से नहीं पहुंच पाता है। इम्युनिटी कमजोर होती है और वायरस को हमला करने का मौका मिल जाता है। सर्द मौसम में हवा शुष्क हो जाती है। ठंड में कुछ वायरस जैसे राइनोवायरस और इन्फ्लूएंजा वायरस ज्यादा सक्रिय हो जाते हैं। नाक का तापमान जैसे ही शरीर के औसत तापमान से 3–4 डिग्री कम होता है, वैसे ही वायरस की वृद्धि तेज हो जाती है।

इसका रखें खास ध्यान

डॉक्टरों के अनुसार मौसम में ऐसे बदलाव के दौरान गुनगुना पानी जरूर पिएं, तुलसी, अदरक और हल्दी का सेवन भरपूर करें, शरीर को गर्म रखने के लिए ग्रीन टी या हर्बल टी जरूर पिएं, पानी, सूप नारियल लगातार लेते रहें। बाहर या सार्वजनिक स्थलों पर मास्क जरूर पहनें, रोजाना 7 घंटे तक की नींद भी जरूर लें, जंक फूड या ठंडे पेय से खुद को बचाएं, बाहर से घर जाने या खाने से पहले हाथ साबुन से धोने की आदत जरूरत डालें।

बेटे के नाम कराई 40–40 लाख की चार बीमा पालिसी...

फिर मां ने प्रेमी संग मिलकर इसलिए कराया कत्ल

कानपुर,संवाददाता। देहात में मां की ममता हार गई। मां ने प्रेमी और उसके भाई से बेटे का मर्डर करा दिया। हत्या करवाने से पहले बेटे के नाम 40–40 लाख की चार बीमा पॉलिसी भी करवाई थी, ताकि बाद में रकम आपस में बांटी जा सके। हत्या को हादसा दिखाने की कोशिश की गई, लेकिन पुलिस ने सारा प्लान फेल कर दिया। वह मां थी। नाम भी था ममता... पर पति की मौत के बाद वह गैर पुरुष के प्रेम में पड़ गई गई। बेटे को इसकी भनक लग गई तो वह संबंधों में बाधा बन गया। यह मां को नागवार गुजरा और ममता हार गई। उसने प्रेमी के साथ मिलकर बेटे की हत्या ही करवा दी।

कहानी सिर्फ इतनी ही नहीं है। उसने हत्या से पहले बेटे के नाम पर 40–40 लाख रुपये की चार बीमा पॉलिसी लीं ताकि बाद में सबको मोटी रकम मिल जाए। बीमा की रकम मिलने में दिक्कत न आए इसके लिए हत्या को दुर्घटना का रूप दिया लेकिन पुलिस ज्यादा तेज निकली। मामले का भंडाफोड़ करदिया। दो हत्यारे भी गिरफ्तार कर लिए गए। मां अभी फरार है।

27 अक्तूबर की सुबह यह मामला सामने आया। उस दिन सुबह–सुबह बेटे प्रदीप (23) का खून से लथपथ शव कानपुर–इटावा हाईवे के डेरापुर थाना क्षेत्र के बलहरामऊ के पास पड़ा मिला था। वह आंद्रप्रदेश में रहकर नौकरी करता था और दिवाली पर घर आया था। इस मामले में प्रदीप के बाबा जगदीश नायारण ने पौत्र की हत्या किए जाने का आरोप लगाया था।

ग्रामीणों ने किया हंगामा

गांव वाले भी नहीं माने और थाने पर हंगामा कर दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने गांव के सुक्खा उर्फ ऋषि कटियार व उसके भाई मयंक उर्फ ईशू पर हत्या की रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस घटना के खुलासे के लिए छानबीन के साथ आरोपियों की तलाश में जुटी थी। एएसपी राजेश पांडेय ने बताया कि मंगलवार रात को बरौर थानाध्यक्ष अमिता वर्मा ने टीम के साथ कुटरा मोड़ के पास अंगदपुर के ही ऋषि कटियार को घेर लिया। वह कार से था लेकिन वह गड्ढे में फंस गई। आरोपी ने भागने के प्रयास किया

और पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई। वह पकड़ में आ गया। उसके पास से तमंचा और दो खोखे भी बरामद हुए।

सिर पर हथौड़ी से वार कर मार डाला

पकड़े गए हत्यारोपियों के अनुसार, सिर पर हथौड़ी से वार कर मार डाला। इसके बाद शव 26 अक्तूबर की रात को फेंका गया था। शव फेंकने का स्थान और हत्या के लिए हथौड़ी का चयन चतुराई से किया गया ताकि मौत का कारण हादसा ही लगे।

पुलिस की गिरफ्त में आए दोनों आरोपी

बुधवार शाम छह बजे के करीब रायरामापुर में दूसरा हत्यारोपी मयंक उर्फ ईशु भी पुलिस की गिरफ्त में आ गया। उसके पास से हत्या में प्रयुक्त हथौड़ी भी मिल गई। मयंक ने बताया कि प्रदीप के पिता संदीप कुमार की मौत के बाद उसकी मां ममता (42) से उसके संबंध हो गए थे।

प्रदीप को रास्ते से हटाने और बीमा करवाकर रुपये कमाने की योजना बनाई

इसकी जानकारी प्रदीप को हुई तो वह विरोध करने लगा। इस पर उन लोगों ने प्रदीप को रास्ते से हटाने और बीमा करवाकर रुपये कमाने की योजना बनाई। फिर उन्होंने प्रदीप की कई पॉलिसियां करवाई। 26 अक्तूबर की शाम सात बजे वह और ऋषि प्रदीप को होटल पर खाना खिलाने के बहाने ले गए। रास्ते में हथौड़ी मारकर हत्या कर शव कानपुर–इटावा हाईवे पर फेंक दिया। बीमा की धनराशि पाने के लिए मां ने ही अपने प्रेमी व उसके भाई संग मिलकर बेटे की हत्या करवाई है। मंगलवार रात को मुठभेड़ में हत्यारोपी ऋषि को गिरफ्तार किया गया है। वह गोली लगने से घायल हुआ है। उसके खिलाफ पूर्व में चोरी व गैंगस्टर एक्ट जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। बुधवार शाम को प्रेमी मयंक को भी गिरफ्तार किया गया है। फरार चल रही मां की तलाश की जा रही है। –राजेश पांडेय, एएसपी

लव ,लस्ट और मर्डर

इश्क फिर लिव–इन में रहे, 5 महीने में 'चीथड़ों' पर खत्म हुई ये लव स्टोरी

दिल्ली,एजेंसी। हत्या से पहले अमृता ने सुमित के साथ मिलकर कई क्राइम वेब सीरीज देखीं ताकि फंसने की कोई गुंजाइश न रहें। लेकिन उनकी हर तिकड़म की मुखबिरी उनकी मोबाइल फोन की लोकेशन ने कर दी। दिल्ली के तिमारपुर के गांधी विहार इलाके में यूपीएससी की तैयारी कर रहे छात्र रामकेश मीणा की हत्या के मामले में नई–नई बातें सामने आ रही हैं। जांच में सामने आया है कि रामकेश और अमृता की मुलाकात मई 2025 में हुई थी। दोनों की बातचीत जल्द ही प्यार में बदल गई। अमृता ने रामकेश के साथ लिव–इन में रहना शुरू कर दिया। रामकेश ने अमृता के साथ कुछ अंतरंग वीडियो और फोटो रिकॉर्ड करके अपने पास हार्ड डिस्क में रख लिए। अमृता को पता चला तो उसने इनको डिलीट करने के लिए कहा। कई बार अमृता ने उससे यह मांगे भी, लेकिन वह कोई न कोई बहाना बनाकर उसे टाल देता था। यह बात अमृता को हजम नहीं हो रही थी। अमृता ने यह बात अपने पूर्व प्रेमी सुमित को बताई। रामकेश की हत्या की योजना बना ली गई। सुमित ने बिना बताए अपने दोस्त संदीप को दिल्ली बुला लिया।

वारदात के समय अमृता पहले से फ्लैट में मौजूद थी। रात 8.30 बजे सुमित व संदीप उसके फ्लैट पर पहुंचे। पिटाई लगाने के बाद रामकेश की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। संदीप हत्या के फौरन बाद 39 मिनट बाद वहां से निकल गया। बाद में अमृता और सुमित ने फ्लैट की तलाशी लेकर हार्ड डिस्क बरामद करने के बाद वहां मौजूद दोनों लैपटॉप भी ले लिए गए। अमृता ने रामकेश के ट्रॉली बैग में अपने कपड़े भर लिए। बाद में ट्रॉली बैग, दो लैपटॉप और बाकी सामान के साथ वहां से निकल गए।

अमृता चौहान ने अपनी फोरेंसिक साइंस की पढ़ाई का वारदात को अंजाम देने में किया इस्तेमाल

तिमारपुर के गांधी विहार इलाके में यूपीएससी के छात्र रामकेश मीणा हत्याकांड को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया था। सबूत मिटाने के लिए हत्यारोपी अमृता चौहान ने अपनी फोरेंसिक साइंस की पढ़ाई के सारे तिगड़म शव ठिकाने लगाने में लगाए। हत्या से पहले अमृता ने सुमित के साथ मिलकर कई क्राइम वेब सीरीज देखीं ताकि फंसने की कोई गुंजाइश न रहें। लेकिन उनकी हर तिकड़म की मुखबिरी उनकी मोबाइल फोन की लोकेशन ने कर दी। लिव–इन पार्टनर और प्रेमी रामकेश की हत्या के बाद करीब 6:30 घंटे तक अमृता और सुमित शव ठिकाने लगाने में जुटे रहे। आरोपियों ने पीटने के बाद रामकेश की गला घोंटकर हत्या कर दी गई। बाद में शव को बेड पर लिटा दिया। रसोई से घी–रिफाइंड लाकर शव पर डाला। इसके बाद फ्लैट में रखी मोटी–मोटी किताबों से शव की चिता सजाई गई। कमरे में रखी शराब की पूरी बोतल किताबों पर डाल दी गई।

सुमित को पता था कि कैसे सिलिंडर में धमाका किया जाता

अमृता का पूर्व प्रेमी सुमित मुरादाबाद में गैस वितरक है। उसे अच्छी तरह पता था कि सिलिंडर में आग लगाकर कैसे उसमें धमाका किया जाता है। आरोपी ने रसोई से सिलिंडर बाहर निकाला। बाद में उसका पाइप हटाकर सिलिंडर को रामकेश के सिर के पास रख दिया। बेहद धीमी गति से सिलिंडर में लगे रेग्यूलेटर को खोल दिया गया। पूरी तैयारी के बाद अमृता और सुमित कश्यप फ्लैट के मेन गेट पर पहुंचे। यह लोहे का जाली वाला दरवाजा था। हादसा असली लगे इसलिए कुंडी के पास लगी लोहे की जाली को बाहर से हटाकर अंदर से कुंडी बंद कर दी गई। बाद में जाली को वापस अपनी जगह पर कर दिया गया।

एलपीजी सिलिंडर में धमाके से रामकेश के शव के हो गए टुकड़े–टुकड़े

कुछ देर बाहर खड़े रहने के बाद सुमित ने लाइटर से कमरे के भीतर आग लगा दी। बाद में दोनों ने अपने चेहरे ढके और रात करीब 2:57 बजे फ्लैट से निकल गए। इनके जाने के बाद रामकेश का फ्लैट धू–धू कर जलने लगा और कुछ ही देर बाद एलपीजी सिलिंडर में ब्लास्ट हो गया। इससे रामकेश के शव के टुकड़े–टुकड़े हो गए। पुलिस और दमकल की गाड़ियां वहां पहुंची। आग पर काबू पाया गया तो अंदर रामकेश के शव के अवशेष मिले। पुलिस को शुरुआती जांच में लगा कि शायद कमरे में खुद आग लगने से हादसा हुआ। क्राइम टीम और एफएसएल को मौके पर बुलाया गया और छानबीन हुई।

फोरेंसिक टीम को शक तो खंगाली गई सीसीटीवी फुटेज...

रसोई के बजाय कमरे में सिलिंडर के टुकड़े देखकर फोरेंसिक टीम को शक हुआ। रामकेश के परिजनों ने भी हादसे पर शक जाहिर किया था। पुलिस ने इस आधार पर सीसीटीवी की पड़ताल की तो पता चला कि रामकेश के फ्लैट में 5 अक्तूबर की रात 8:30 बजे दो युवक गए थे। करीब 39 मिनट बाद एक युवक मुंह ढके हुए बाहर भागता हुआ देखा गया। फुटेज में दिखा की आग लगने के बाद कुछ देर बाद करीब 2:57 बजे दो लोग मुंह ढककर बाहर आते दिखे। इनमें एक अमृता लग रही थी। पुलिस ने अमृता के मोबाइल फोन की लोकेशन खंगाली तो पता चला कि घटना के समय वह फ्लैट की ही थी। इस आधार पर पुलिस को अमृता पर शक हुआ।

मृतक और आरोपियों के प्रोफाइल..

.

मृतक रामकेश मूलरूप से राजस्थान का रहने वाला था। इसके परिवार में माता–पिता व भाई है। रामकेश ने द्वारका के एक नामी कॉलेज से बीटेक किया था। वह तिमारपुर के गांधी विहार में चौथी मंजिल पर फ्लैट लेकर किराए पर रह रहा था। मुख्य आरोपी अमृता मूलरूप से पीतल नगरी, मुरादाबाद ही रहने वाली है। उसने दिल्ली के एक कॉलेज से फोरेंसिक साइंस से बीएससी की है। अभी उसने बीएससी कंप्यूटर साइंस में दाखिला लिया हुआ है। वहीं सुमित अमृता का पूर्व प्रेमी है। वह मुरादाबाद की वाल्मीकि बस्ती, बंगला गांव, नागफनी मुरादाबाद का रहने वाला है। यह मुरादाबाद में एलपीजी गैस वितरक है। वहीं संदीप सुमित का गहरा दोस्त है। वह भी वाल्मीकि बस्ती, बंगला गांव, नागफनी मुरादाबाद का रहने वाला है। ग्रेजुएशन करने के बाद वह एसएससी और सीजीएल की तैयारी कर रहा है। संदीप का दावा है कि उसे बस हार्ड डिस्क बरामद करने की बात कर लाया गया था। उसे नहीं पता था कि वह रामकेश की हत्या करने वाले हैं।

लगातार बंद आ रहा था अमृता का मोबाइल फोन...

शक के आधार पर पुलिस ने अमृता के मोबाइल की सीडीआर निकलवाई। उसका मोबाइल लगातार बंद आ रहा था। इंस्पेक्टर पंकज तोमर की टीम ने अमृता की तलाश शुरू की। पीतल नगरी, मुरादाबाद में उसके घर, रिश्तेदारों के यहां छापेमारी की गई। जांच में पता चला कि अमृता दिल्ली के छतरपुर में छिपी है। टीम वहां पहुंची तो वह निकल गई। बाद में 18 अक्तूबर को सबसे पहले अमृता को मुरादाबाद से दबोच लिया गया। उससे पूछताछ के बाद हत्याकांड से पर्दा उठ गया। बाद में 21 को मुरादाबाद से ही सुमित कश्यप और 23 अक्तूबर को संदीप कुमार को दबोच लिया गया। तीनों को दो–दो दिन की पुलिस रिमांड पर लिया गया। बाद में अदालत में पेश कर इनको जेल भेज दिया गया।

छह माह पहले अफेयर...तीन महीने से पति और दो बच्चों को छोड़ प्रेमी संग रह रही पत्नी

बरेली,एजेंसी। इंस्टाग्राम पर मोहब्बत के बाद महिला अपने पति और दो बच्चों को छोड़ गई। करीब तीन माह से प्रेमी के साथ रह रही है। जहर खाने से पहले सुसाइड नोट में वकील पति ने दर्द बयां किया। नोट में पत्नी और उसके प्रेमी समेत कई लोगों पर आरोप लगाए हैं। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले से झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। शादी के 11 साल बाद वकील की पत्नी दो बच्चों को छोड़ प्रेमी के साथ शामली चली गई। तनाव में आए वकील ने जहर खाकर जान दे दी। मरने से पहले वकील ने सुसाइड नोट में पत्नी, उसके प्रेमी, प्रेमी के परिजनों व पत्नी के रिश्तेदारों पर आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप लगाए हैं। वकील की मौत पर बरेली बार एसोसिएशन ने शोकसभा की और वकील न्यायिक कार्य से विरत रहे।

कैंट के चनेहटी निवासी कमल कुमार सागर बरेली कचहरी में एक वरिष्ठ अधिवक्ता के यहां प्रैक्टिस करते थे। रविवार को उन्होंने सल्फास की गोलियां खा लीं। परिजनों ने उन्हें निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सोमवार सुबह अधिवक्ता ने दम तोड़ दिया। वकील कमल ने जहर खाने से पहले एक सुसाइड नोट तैयार किया था, जिसे परिजनों ने पुलिस को सौंप दिया।

'मेरी पत्नी दो मासूम बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई'

इसमें उन्होंने लिखा है कि मेरी पत्नी दो मासूम बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ चली गई है। वह तीन महीने से उसी के साथ रह रही है। मैं ये सहन नहीं कर पा रहा हूं। इसलिए जान दे रहा हूं। पोस्टमार्टम हाउस पर मिले कमल के पिता राजेंद्र सागर ने बताया कि उनकी पुत्रवधू छह महीने से शामली निवासी अमर कुमार से बात कर रही थी और तीन महीने पहले अपने दोनों बच्चों को छोड़कर उसी के पास चली गई थी।

'एक भूखंड बेचकर उसके हिस्सा की रकम दे दो'

तीन दिन पहले बहू ने कमल को कॉल की थी। कहा था कि मुझे तलाक चाहिए। एक भूखंड बेचकर उसके हिस्सा की रकम दे दो। बच्चों को भी ले जाने की बात कही थी।

'तुझे मरवा दूंगा...'

राजेंद्र ने आरोप लगाया कि अमर ने भी कमल को धमकी दी थी तुझे मरवा दूंगा। इसके बाद कमल ज्यादा परेशान था। राजेंद्र ने इन आरोपियों के खिलाफ कैंट थाने में तहरीर दी है।

हाईकोर्ट से सपा को बड़ी राहत

मुरादाबाद पार्टी दफ्तर खाली कराने का आदेश रद्द, प्रशासन ने दिया था नोटिस

मुरादाबाद,संवाददाता। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी को बड़ी राहत देते हुए मुरादाबाद स्थित सपा कार्यालय खाली कराने के प्रशासनिक आदेश को रद्द कर दिया है। प्रशासन ने नजूल भूमि और 15 वर्ष से अधिक आवंटन अवधि का हवाला देते हुए भवन का आवंटन 16 सितंबर को निरस्त किया था। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने समाजवादी पार्टी को बड़ी राहत दी है। कोर्ट ने मुरादाबाद में सपा के जिला कार्यालय को खाली कराने के प्रशासनिक आदेश को रद्द कर दिया है। हाईकोर्ट के इस फैसले से पार्टी कार्यकर्ताओं को राहत मिली है। मुरादाबाद स्थित समाजवादी पार्टी के कार्यालय का आवंटन प्रशासन ने 16 सितंबर को निरस्त कर दिया था।

जिला प्रशासन की ओर से जारी नोटिस में कहा गया था कि यह भवन नजूल की भूमि पर बना है, जो नगर निगम के प्रबंध क्षेत्र में आती है। आदेश में उल्लेख था कि नोटिस की अवधि पूरी होने के बाद नगर निगम की टीम भवन पर कब्जा लेगी।

इससे पहले 30 जुलाई को भी प्रशासन ने सपा जिलाध्यक्ष को नोटिस जारी कर कार्यालय खाली करने को कहा था। इसके जवाब में सपा जिलाध्यक्ष ने प्रशासन को बताया था कि कार्यालय का किराया नियमित रूप से जमा किया जाता रहा है और पार्टी का कब्जा पूरी तरह वैध है।

प्रशासन ने अपने आदेश में शासनादेश का हवाला देते हुए कहा था कि किसी भी भवन का आवंटन अधिकतम 15 वर्ष तक ही वैध रह सकता है, जबकि सपा कार्यालय को तीन दशक से अधिक समय बीत चुका है। इसी आधार पर आवंटन रद्द करने का निर्णय लिया गया था।

सपा ने इस नोटिस को भेदभावपूर्ण और अनुचित बताते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। पार्टी का कहना था कि उन्होंने कभी भी किराए या नियमों का उल्लंघन नहीं किया। सभी बकाया नियमित रूप से जमा किए गए हैं, बावजूद इसके केवल राजनीतिक कारणों से कार्रवाई की जा रही है। मामले की सुनवाई के बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट ने प्रशासन का आदेश रद्द करते हुए सपा को राहत दी। कोर्ट ने माना कि नोटिस की प्रक्रिया में आवश्यक तथ्यों पर पर्याप्त विचार नहीं किया गया था।

महाकुंभ की तर्ज पर हो जंबूरी में सुरक्षा और सुविधा

सीएम ने 23 से 29 नवंबर तक होने वाले आयोजन की समीक्षा की

लखनऊ,संवाददाता। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में होने वाले आयोजन की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने अफसरों को दिशा–निर्देश दिए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत स्काउट एंड गाइड के 19वें राष्ट्रीय सम्मेलन (जंबूरी) की तैयारियों की समीक्षा की। 23 से 29 नवंबर तक लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड, वृंदावन योजना में इसका आयोजन होगा। यह अवसर युवा शक्ति के अनुशासन, राष्ट्र सेवा और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को सशक्त रूप में प्रस्तुत करेगा। सीएम ने निर्देश दिया कि यह आयोजन प्रदेश की सुरक्षा और आतिथ्य क्षमता का परिचायक बने। उन्होंने निर्देश दिए कि महाकुंभ की तर्ज पर सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता, स्वास्थ्य, आवास, खानपान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों की सभी व्यवस्थाएं पूरे समन्वय के साथ करें। इस आयोजन की थीम आत्मनिर्भर स्वदेशी भारत, स्वच्छ एवं विकसित भारत, ग्रीन एवं सस्टेनेबल भारत हर स्तर पर दिखना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस अवसर पर प्रदेश को अपनी परंपराओं, संस्कृति और नवाचारों को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। उन्होंने निर्देश दिया कि एक्सपो मैदान में प्रदर्शनी स्टॉल में राज्यवार प्रदर्शनियों के साथ ग्लोबल विलेज, 75 वर्ष की स्काउटिंग प्रदर्शनी, एयर अग्निवीर, एक जिला–एक उत्पाद, सोलर, रोबोटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक्स और आर्मी प्रदर्शनियां भी लगाई जाएं।

एंटरटेनमेंट डेस्क। फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' बॉक्स ऑफिस पर राज कर रही है। इस साल रिलीज होने वाली भारतीय फिल्मों में यह पहले पायदान पर है। सिर्फ साउथ ही नहीं, हिंदी पट्टी में भी इसका जलवा है। ऋषभ शेट्टी अभिनीत फिल्म 'कांतारा चैप्टर 1' की रिलीज को 28 दिन हो चुके हैं।

चौथे हफ्ते में भी फिल्म धुआंधार कमाई कर रही है। मूल रूप से साउथ की यह फिल्म पैन इंडिया स्तर पर रिलीज हुई है। हिंदी पट्टी में भी यह जमकर नोट छाप रही है। भारत में इसका नेट कलेक्शन 600 करोड़ रुपये होने के करीब है। वहीं, हिंदी भाषा में यह 200 करोड़ क्लब का हिस्सा बन चुकी है।

हिंदी पट्टी में जलवा कायम

'कांतारा चैप्टर 1' ने कमाई के मामले में वीकडेज में भी मजबूत पकड़ बना रखी है। दिलचस्प बात यह है कि चौथे हफ्ते में फिल्म अन्य भाषाओं के मुकाबले हिंदी में ज्यादा अच्छा प्रदर्शन कर रही है। ट्रेड विश्लेषक तरण आदर्श ने आज बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें दिए गए आंकड़ों के मुताबिक 'कांतारा 2' अब तक 209 करोड़ रुपये सिर्फ हिंदी भाषी क्षेत्र से कमा चुकी है।

नई रिलीज बॉलीवुड फिल्मों के सामने भी चमक बरकरार

हिंदी भाषी दर्शकों का फिल्म को खूब प्यार मिल रहा है। चौथे हफ्ते की बात करें तो शुक्रवार को इस फिल्म ने हिंदी में सिर्फ 3.50 करोड़ रुपये कमाए थे। शनिवार को 4.25 करोड़ रुपये, रविवार को 4.19 करोड़ रुपये, सोमवार को 1.85 करोड़ रुपये और कल मंगलवार को 27वें दिन 2.28 करोड़ रुपये का कारोबार किया। बॉलीवुड की 'थामा' और 'एक दीवाने की दीवानियत' जैसी बॉलीवुड फिल्मों के सामने 'कांतारा 2' की धांसू कमाई जारी है।

क्या 1000 करोड़ी बनेगी फिल्म?

वर्ल्डवाइड भी यह फिल्म बवाल काट रही है। वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन के मामले में 'कांतारा चैप्टर 1' 900 करोड़ रुपये कमा चुकी है। इसका क्रेज देखते हुए संभव है कि यह 1000 करोड़ क्लब का हिस्सा बन जाए। बता दें कि 'कांतारा 2' फिल्म 02 अक्तूबर को दशहरा के अवसर पर रिलीज हुई थी। यह ऋषभ शेट्टी की ही 2022 में आई 'कांतारा' का प्रीक्वल है।

ओटीटी पर कब रिलीज होगा हिंदी वर्जन?

बॉक्स ऑफिस पर 'कांतारा 2' की ताबड़तोड़ कमाई के बीच इसकी ओटीटी रिलीज पर भी अपडेट आ गया है। 31 अक्तूबर को यह फिल्म प्राइम वीडियो पर उपलब्ध होगी। हालांकि, फिलहाल इसे तेलुगु, कन्नड़, तमिल और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जा रहा है। फिल्म का हिंदी वर्जन ओटीटी पर तभी दस्तक देगा, जब यह सिनेमाघरों में आठ हफ्ते पूरे कर लेगी।

एंटरटेनमेंट डेस्क। एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण अपनी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं. कुछ समय पहले फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' के मेकर्स ने दीपिका को फिल्म के दूसरे पार्ट से निकाल दिया था. उन्होंने सोशल मीडिया पर इसकी अनाउंसमेंट की थी. अब हाल ही में सोशल मीडिया पर ये खबरें आग की तरह फैली की मेकर्स ने फिल्म के पहले पार्ट्स के क्रेडिट्स से दीपिका का नाम हटा दिया है.

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो

सोशल मीडिया पर दीपिका के फैन ने एक वीडियो शेयर किया इसमें लिखा था– फिल्म के आखिर में क्रेडिट्स सिर्फ नाम नहीं होते हैं. ये किए गए काम के लिए पहचान, जवाबदेही और सम्मान होता है. जब दीपिका पादुकोण जैसे एक्टर्स को जिसने कल्कि के इमोशनल कोर को आकार देने में अहम भूमिका निभाई है. उनका नाम ओटीटी रिलीज के महीनों बाद भी क्रेडिट्स में नहीं है. फैन ने जो वीडियो शेयर किया, जिसके क्रेडिट्स में दीपिका का नाम नहीं था. इसके बाद कई फैंस ने इसे लेकर कमेंट्स किए।

यूजर्स ने किए ऐसे–ऐसे कमेंट्स

एक यूजर ने लिखा– दीपिका का कल्कि के क्रेडिट्स से नाम हटा देना... शायद ये सबसे खराब प्रोडक्शन हाउस है. क्या उनका नाम हटाने से फिल्म में उनके काम का प्रभाव कम हो जाएगा? वहीं एक यूजर ने लिखा– जब मेकर्स ने पहली बार ओटीटी पर फिल्म रिलीज की थी तब उनका नाम क्रेडिट्स में नहीं था।

ब्राजील की गलियों से हालीवुड के पर्दों तक

,एंटरटेनमेंट डेस्क। ब्राजील में ड्रग तस्करों और माफियाओं पर पुलिस की कार्रवाई में एक दिन में 64 लोगों की मौत हुई है। हालांकि इस खौफनाक कहानी को अब तक कई हॉलीवुड फिल्मों और सीरीज में भी दिखाया जा चुका है। ब्राजील एक बार फिर दुनिया की सुर्खियों में है। रियो डी जेनेरियो के दो इलाकों में ड्रग माफिया के खिलाफ पुलिस की सबसे बड़ी कार्रवाई हुई, जिसमें एक ही दिन में 64 लोगों की मौत और 81 गिरफ्तारियां हुईं। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार कार्यालय ने इस पर चिंता जताई है। लेकिन ब्राजील के इन अपराधी नेटवर्क्स की गहराई और भयावहता सिर्फ वास्तविक दुनिया में नहीं, बल्कि हॉलीवुड फिल्मों में भी कई बार दिखाई गई है। रियो की बस्तियों में पलने वाले अपराध और हिंसा की कहानियां कई फिल्मों के जरिए दुनिया भर के दर्शकों के सामने आई हैं। आइए जानते हैं किन–किन फिल्मों ने ब्राजील के ड्रग माफिया को पर्दे पर उतारा।

फास्ट फाइव (2011)

'फास्ट एंड फ्यूरियस' सीरीज की यह फिल्म रियो डी जेनेरियो में शूट की गई थी। इसमें एक शक्तिशाली ड्रग किंगपिन हेर्नन रेयेस को दिखाया गया है, जो शहर पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए हर हद पार कर जाता है। तेज कारों, एक्शन और अपराध के बीच यह फिल्म ब्राजील की अंडरवर्ल्ड दुनिया का ग्लैमरस लेकिन खतरनाक रूप दिखाती है। इस फिल्म में विन डीजल, पॉल वॉकर और ड्वेन जॉनसन जैसे दिग्गज कलाकार शामिल हैं।

सिटी ऑफ गॉड (2002)

रियो डी जेनेरियो की झुग्गी बस्तियों में पलने वाले बच्चों की कहानी पर बनी यह फिल्म ब्राजील के अपराध तंत्र की सच्ची तस्वीर पेश करती है।

निर्देशक फर्नांडो मीरेलेस ने दिखाया कि कैसे गरीबी और अपराध के बीच पैदा हुए बच्चे धीरे–धीरे गैंग वार्स में फंस जाते हैं। 'सिटी ऑफ गॉड' में हिंसा, डर और अपराध की वह दुनिया दिखाई गई है जहां इंसान की जान की कीमत एक गोली से ज्यादा नहीं। इस फिल्म ने हॉलीवुड को दिखाया कि रियो की झोपड़ियों में कैसी खामोश जंग चल रही है।

एलीट स्क्वाड (2007)

जोस बस्टोस पडिल्हा के निर्देशन में बनी यह फिल्म ब्राजील की विशेष पुलिस यूनिट **BOPE** की कहानी है, जो ड्रग माफिया से जंग लड़ती है। इसमें दिखाया गया है कि पुलिस, राजनीति और अपराध की दुनिया कितनी गहराई से एक–दूसरे में उलझी है। 'एलीट स्क्वाड' ने उस सच्चाई को उजागर किया जिसे आम जनता शायद ही कभी जान पाती है। इस फिल्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जबरदस्त सराहना मिली और इसे ऑस्कर में सर्वश्रेष्ठ विदेशी फिल्म का सम्मान भी मिला।

एलीट स्क्वाडः द एनिमी विदिन (2010)

पहली फिल्म का सीक्वल होने के बावजूद इसने ब्राजील के भ्रष्ट राजनीतिक तंत्र और माफिया गठजोड़ को और भी गहराई से उभारा। कहानी में दिखाया गया है कि जब सत्ता और अपराध हाथ मिलाते हैं तो आम इंसान के लिए न्याय की कोई जगह नहीं बचती। यह फिल्म बताती है कि ब्राजील में ड्रग लॉर्ड्स सिर्फ गलियों में नहीं, बल्कि सत्ता के गलियारों में भी बैठे हैं।

जब पहली बार सतीश शाह को देख दंग रह गए थे नसीरुद्दीन शाह

अभिनेता ने कहा– 'मुझे लगा वो अन्याय कर रहे हैं'

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने दिवंगत एक्टर सतीश शाह को याद किया है। साथ ही उन्होंने उनकी शानदार प्रतिभा का जिक्र भी किया है। बीते दिनों अभिनेता सतीश शाह का निधन हो गया था। मनोरंजन जगत के तमाम सितारे उन्हें याद कर रहे हैं। इसी कड़ी में अब अभिनेता नसीरुद्दीन शाह ने अपनी फिल्म 'जाने भी दो यारो' के को–एक्टर सतीश शाह को श्रद्धांजलि दी है। जानिए उन्होंने क्या कहा।

'उनकी कमी खलेगी'

इंडियन एक्सप्रेस में एक नोट में नसीरुद्दीन शाह ने कहा, 'बेशक, उनका जाना एक क्षति है और उनकी कमी बहुत खलेगी। मैं इससे भी बड़ी क्षति इस तथ्य को मानता हूं कि अपनी शानदार अभिनय क्षमता, लोगों के प्रति उनकी गहरी समझ, अभिनय प्रक्रिया की उनकी समझ और उनकी शानदार टाइमिंग के बावजूद, उन्होंने खुद को एक हास्य अभिनेता की श्रेणी में ही रहने दिया और इसी में संतुष्ट प्रतीत होते रहे।'

सतीश इस बात से संतुष्ट क्यों थे?

अभिनेता ने आगे कहा कि उन्हें अक्सर हैरानी होती थी कि सतीश शाह उस लेबल से संतुष्ट क्यों दिखते थे और उन्होंने कभी इसके खिलाफ आवाज क्यों नहीं उठाई। नसीरुद्दीन शाह ने हिंदी फिल्म उद्योग को 'फॉलीवुड' कहते हुए लिखा, "मुझे अक्सर आश्चर्य होता है कि क्या अभिनेताओं को टाइपकास्ट होने से बचाने का फॉलीवुड का कोई सीक्रेट उद्देश्य पूरा होता है। लेकिन मुझे हमेशा यह भी आश्चर्य होता है कि कुछ लोग जो असल जिंदगी में बेहद मनोरंजक होते हैं, वे शायद ही कभी सीरियस वाले अभिनेता बन पाते हैं। कई मामले इस बात की गवाही देते हैं।"

'सतीश शाह ने जिंदगी को जिया'

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए नसीरुद्दीन शाह "मुझे हमेशा लगता था कि वह सुरक्षित रहकर अपनी अपार प्रतिभा के साथ अन्याय कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने यही चुना। उन्होंने अच्छी जिदगी का भरपूर आनंद लिया और उसे पूरी तरह जिया।" आगे उन्होंने सतीश शाह संग अपनी मुलाकात को याद किया। उन्होंने कहा, "मैंने पहली बार सतीश शाह को फिल्म एवं टेलीविजन संस्थान (एफटीआईआई) के क्रिकेट नेट पर देखा था और खेल में उनके कौशल और उनके गोल–मटोल लेकिन आश्चर्यजनक रूप से फुर्तीले शरीर को देखकर मैं दंग रह गया था।" अंत में नसीरुद्दीन शाह श्रद्धांजलि व्यक्त करते हुए बोले– 'आसमान में ऊपर थिएटर में एक बार फिर अपने मित्र के साथ मंच साझा करना है।'

विश्व चैंपियन

शेफाली की निडरता, जेमिमा की शालीनता, ऋचा की ताकत, अमनजोत की स्थिरता, चरणी की लगन और क्रांति की कहानी, ये सब मिलकर भारतीय क्रिकेट की नई 'क्रांति' का प्रतीक हैं

स्पोर्ट्स डेस्क। भारतीय महिला क्रिकेट आज एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। विश्व कप जीत के साथ भारत की बेटियों ने न केवल इतिहास रचा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए एक नई राह भी बना दी। इस सफलता की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि इस टीम में अनुभव के साथ–साथ नई ऊर्जा, साहस और निडरता का अद्भुत संगम है। शेफाली वर्मा, जेमिमा रॉड्रिग्स, ऋचा घोष, श्री चरणी, अमनजोत कौर और क्रांति गौड़, ये वो नाम हैं जिन्होंने अपने संघर्ष, प्रतिभा और जुनून से महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है।

शेफाली वर्मा: हरियाणा की बिंदास लड़की, जो कभी नहीं डरती

21 साल की शेफाली वर्मा आज भारतीय क्रिकेट की पहचान बन चुकी हैं।

हरियाणा के रोहतक की रहने वाली शेफाली का बचपन उस माहौल में बीता, जहां लड़कियों का क्रिकेट खेलना आसान नहीं था। लेकिन उनके पिता संजीव वर्मा ने बेटी की आंखों में चमक देखी और उसे बेटों जैसा हर मौका दिया।

मोहल्ले के लड़कों के बीच खेलते हुए शेफाली ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी से सबका ध्यान खींचा। सिर्फ 15 साल की उम्र में भारत के लिए डेब्यू करने वाली शेफाली आज विश्व कप की प्लेयर ऑफ द फाइनल हैं। उन्होंने दिखा दिया कि अगर जुनून सच्चा हो तो सपने पूरे करने से कोई नहीं रोक सकता।

जेमिमा रॉड्रिग्स: मुस्कुराती मुंबई की जादूगरनी

मुंबई की जेमिमा रॉड्रिग्स क्रिकेट और संगीत दोनों में माहिर हैं। बचपन से ही गिटार बजाने और गीत लिखने वाली जेमिमा मैदान पर अपने क्लास और टाइमिंग के लिए जानी जाती हैं।

2025 विश्व कप में उन्होंने अपने बल्ले से भारत को कई मुश्किल स्थितियों से निकाला। जेमिमा का सफर आसान नहीं था। 2022 के खराब फॉर्म के बाद उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया था। लेकिन उन्होंने वापसी के लिए खुद को नए सिरे से तैयार किया, और आज वही फिनिशर बन गईं जिसने भारत को पहली बार विश्व चैंपियन बनाया।

ऋचा घोष: सिलिगुड़ी की 'सिक्सर क्वीन'

सिर्फ 21 साल की ऋचा घोष ने दिखाया कि महिला क्रिकेट में पावर हिटिंग का मतलब क्या होता है। बंगाल के छोटे से शहर सिलिगुड़ी से आने वाली ऋचा ने बचपन में अपने पिता की कोचिंग में क्रिकेट सीखा।

उनका सपना था कि लोग महिला क्रिकेट में भी 'सिक्सर क्वीन' की बात करें और आज वो वही बन चुकी हैं। विश्व कप के फाइनल में ऋचा ने डेथ ओवर्स में जो निडर बल्लेबाजी की, उसने भारत को जीत की राह पर ला दिया। ऋचा ने खिताबी मुकाबले में 24 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 34 रन बनाकर आउट हुईं। ऋचा ने महत्वपूर्ण रन बनाए और इस दौरान उपलब्धि अपने नाम दर्ज करने में भी सफल रहीं।

ऋचा महिला विश्व कप के एक संस्करण में सर्वाधिक छक्के लगाने वाली भारतीय बल्लेबाज बन गई हैं।

'हिम्मत हो तो कुछ भी मुमकिन है', गर्भावस्था में 145 किलो वजन उठाकर दिल्ली पुलिस की सोनिका बनीं मिसाल

स्पोर्ट्स डेस्क। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों ने उनका तालियां बजाकर उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

ऑल इंडिया पुलिस वेटलिफ्टिंग क्लस्टर 2025–26 में दिली पुलिस की कॉन्स्टेबल सोनिका यादव ने प्रेरणादायक मिसाल पेश की। सात महीने की गर्भवती होने के बावजूद, उन्होंने कुल 145 किलोग्राम वजन उठाकर कांस्य पदक अपने नाम किया। सोनिका ने प्रतियोगिता में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 125 किग्रा स्क्वॉट, 80 किग्रा बेंच प्रेस, और 145 किग्रा डेडलिफ्ट उठाए।

देश के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं सोनिका

गर्भावस्था के बावजूद उनकी इस उपलब्धि ने न केवल पुलिस बल बल्कि पूरे देश को प्रेरित किया है। मई में जब सोनिका को अपनी गर्भावस्था का पता चला, तब सबको लगा कि वह अपनी ट्रेनिंग रोक देंगी। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। डॉक्टरों की निगरानी में उन्होंने अपना वर्कआउट जारी रखा और अपनी फिटनेस व खेल दोनों के प्रति समर्पण बनाए रखा। प्रतियोगिता के दौरान किसी को भी उनकी गर्भावस्था का अंदाजा नहीं था, क्योंकि सोनिका ने ढीले कपड़े पहने हुए थे। जब उनके पति ने बेंच प्रेस के बाद उनकी मदद की, तब भी किसी को कुछ संदेह नहीं हुआ। सच्चाई तब सामने आई जब सोनिका ने अपना आखिरी डेडलिफ्ट (145 किग्रा) पूरा किया। इसके बाद दर्शकों तालियों बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया और महिला पुलिसकर्मियों ने उन्हें बधाई दी।

लूसी मार्टिन्स से मिली प्रेरणा

तैयारी के दौरान सोनिका ने अंतरराष्ट्रीय वेटलिफ्टर लूसी मार्टिन्स से प्रेरणा ली, जो गर्भावस्था में भी प्रतियोगिताओं में हिस्सा ले चुकी हैं। सोनिका ने उनसे इंस्टाग्राम पर संपर्क कर सलाह और मोटिवेशन प्राप्त किया। 2014 बैच की यह अधिकारी इस समय कम्युनिटी पुलिसिंग सेल में तैनात हैं। इससे पहले, वे मजनू का टीला क्षेत्र में बीट ऑफिसर के रूप में एंटी–ड्रग जागरूकता अभियानों में अहम भूमिका निभा चुकी हैं। उनके समर्पण और साहस को पहले भी सराहा गया है। 2022 में दिल्ली पुलिस आयुक्त ने उन्हें सम्मानित किया था और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने भी महिला दिवस पर उनकी हिम्मत और लगन की तारीफ की थी।

गत चैंपियन गिलिस को हराकर अनाहत सेमीफाइनल में

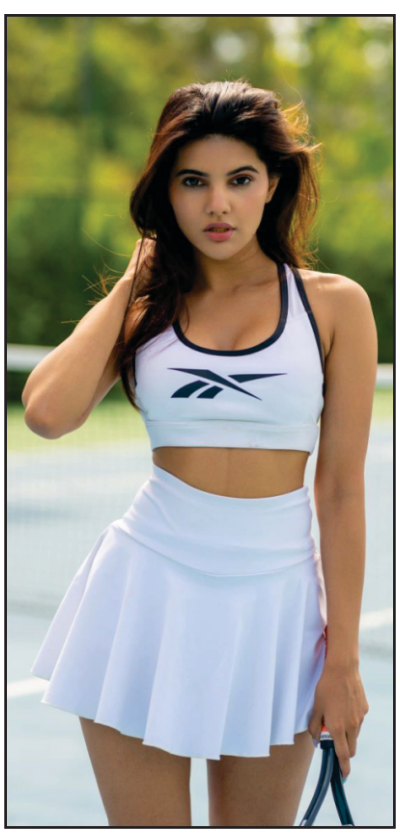

स्पोर्ट्स डेस्क। यह अनाहत की अपने करियर की सबसे बड़ी और शीर्ष 10 खिलाड़ियों के खिलाफ पहली जीत है। वह इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं, जो कि पीएसए टूर सिल्वर लेवल की प्रतियोगिता है। भारत की 17 वर्षीय उभरती खिलाड़ी अनाहत सिंह ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और बेल्जियम की गत चैंपियन और दूसरी वरीयता प्राप्त टिन्नी गिलिस को हराया। अनाहत इसके साथ ही कनाडा महिला ओपन स्क्वाश टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचने में सफल रही हैं।

गैर वरीयता प्राप्त अनाहत ने 36 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में दुनिया की सातवें नंबर की अपनी प्रतिद्वंद्वी को 3–0 (12–10, 11–9, 11–9) से हराया। यह भारतीय खिलाड़ी वर्तमान में विश्व रैंकिंग में 43वें स्थान पर है।

अनाहत के करियर की सबसे बड़ी जीत

यह अनाहत की अपने करियर की सबसे बड़ी और शीर्ष 10 खिलाड़ियों के खिलाफ पहली जीत है। वह इस टूर्नामेंट में शानदार फॉर्म में हैं, जो कि पीएसए टूर सिल्वर लेवल की प्रतियोगिता है। उन्होंने प्री क्वार्टर फाइनल में फ्रांस की विश्व की 20वें नंबर की खिलाड़ी मेलिसा अल्वेस को हराया था। अब सेमीफाइनल में उनका मुकाबला इंग्लैंड की विश्व की 10वें नंबर की खिलाड़ी और चौथी वरीयता प्राप्त जीना कैनेडी से होगा। अनाहत ने जीत हासिल करने के बाद कहा, मैं वास्तव में उत्साहित हूं और टिन्नी गिलिस शीर्ष 10 खिलाड़ियों में से एक हैं और यह पहली बार है ।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

UPHIN/2023/90814

बृजेन्द्र कुमार

मो0. नं0. 7307180148,9170772370

Email- thenextpost01@gmail.com

नोट:– समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।